दैनिक
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
क्यूँ न लिखूँ सच
वर्ष:- 05
अंक:- 141
मुरादाबाद
(Friday)
12 September 2025
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

काशी में पीएम मोदी का भव्य स्वागत

भारत-मॉरीशस द्विपक्षीय वार्ता: PM मोदी बोले- दोनों देश सिर्फ पार्टनर नहीं, एक परिवार हैं;कई मुद्दों पर चर्चा

वाराणसी में बृहस्पतिवार को भारत और मॉरीशस के प्रधानमंत्री के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम को चागोस समझौता संपन्न होने पर बधाई दी। वहीं मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने काशी में भव्य स्वागत के लिए पीएम को धन्यवाद किया।काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने संसदीय क्षेत्र में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है। प्राचीन काल से काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है। हमारी संस्कृति और संस्कार सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचे और वहां की जीवन-पद्धति में रच-बस गए। काशी में मां गंगा की अविरल धारा की तरह, भारतीय संस्कृति का अविरल प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है और आज, जब हम मॉरीशस के साथियों का काशी में स्वागत कर रहे हैं, तो यह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं बल्कि एक परिवार है...मॉरीशस के पीएम को चागोस समझौता संपन्न होने पर बधाई देता हूं- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज हमने द्विपक्षीय सहयोग की सभी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा किए। मैं मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम को चागोस समझौता संपन्न होने पर बधाई देता हूं।द्विपक्षीय वार्ता के बाद बोले पीएम मोदी, मॉरीशस की संप्रभुता की ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये मॉरीशस की संप्रभुता की एक ऐतिहासिक जीत है। भारत ने हमेशा उपनिवेशवाद और मॉरीशस की संप्रभुता की पूर्ण मान्यता का समर्थन किया है और इसमें भारत, मॉरीशस के साथ दृढ़ता से साथ खड़ा रहा है।मॉरीशस के विकास में साझेदार होना भारत के लिए गर्व की बात- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मॉरीशस के विकास में एक विश्वसनीय और प्राथमिक साझेदार होना भारत के लिए गर्व की बात है। आज हमने मॉरिशस की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए एक विशेष आर्थिक पैकेज पर निर्णय लिया है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा, रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेगा। भारत के बाहर पहला जन औषधि केंद्र अब मॉरीशस में स्थापित हो चुका है। पीएम मोदी के आगमन पर पूरी काशी भगवामय हो गई। बृहस्पतिवार को पीएम मोदी अपने 52वें दौरे पर काशी पहुंचे। इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन से पहले पूरा शहर उत्साह और उमंग से सराबोर नजर आया। बृहस्पतिवार की सुबह से ही पुलिस लाइन चौराहे से लेकर मिंट हाउस, नदेसर और आसपास के मार्गों पर भाजपा कार्यकर्ताओं और मोदी समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। हर ओर भगवा रंग की छटा बिखरी हुई थी। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गईं, वहीं उनके साथ आए मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के स्वागत को लेकर भी लोगों में खासा उत्साह देखा गया।राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया पीएम का स्वागत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार सुबह वायुसेना के विशेष विमान से वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे। विमान से उतरते ही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक सहित सभी मंत्रियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मुख्य सचिव व डीजीपी भी मौजूद रहे।सुबह 11 बजे के आसपास ही लोग बड़ी संख्या में सड़कों पर आकर खड़े हो गए। जगह-जगह लोग प्रधानमंत्री मोदी और उनके मित्र, मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम की एक झलक पाने को उत्सुक थे। जैसे ही आगमन का समय नजदीक आया, सड़क किनारे 'मोदी-मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारे गूंजने लगे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व बसपा विधायक को आजीवन कारावास की सजा, 31 साल पहले दो सगे भाइयों की हत्या का मामला, भारी फोर्स तैनात

सगे भाइयों की हत्या में दोषी पूर्व बसपा विधायक छोटे सिंह चौहान का आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सजा का एलान होते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। कोर्ट के बाहर भारी पुलिस फोर्स तैनात है।उरई में दो सगे भाइयों की हत्या में दोषी करार बसपा के पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने गुरुवार को आत्मसर्मपण किया। एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के बाद न्यायाधीश भारतेंदु सिंह ने पूर्व विधायक को दोषी करार करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा का एलान होते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। उन्हें जेल ले जाया जाएगा। वहीं, कोर्ट के बाहर भारी मात्रा में उनके समर्थक मौजूद हैं। इसलिए पुलिस भारी संख्या में तैनात कर दी गई है।बता दें कि चुर्खी थाना क्षेत्र के बिनौरा बैध गांव में 30 मई 1994 की दोपहर प्रधान के चुनाव की रंजिश व वर्चस्व को लेकर गांव के ही राजकुमार उर्फ राजा भइया और उनके सगे भाई जगदीश शरण की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान को दोषी करार दिया। सजा सुनाने के लिए 11 सितंबर की तारीख तय की गई थी। दोषी करार होने के बाद से छोटे सिंह फरार था।राजनैतिक षड्यंत्र में फंसाया जा रहा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने लिखा है कि मेरे पूरे विधानसभा परिवार को मेरा प्रणाम।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय नजरबंद: पत्रकार वार्ता के लिए प्रदेश कार्यालय जा रहे थे;तभी पुलिस ने दी दस्तक

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने उनके घर पर नजरबंद कर लिया है। वह पत्रकार वार्ता के लिए प्रदेश कार्यालय जा रहे थे।

इसी समय पुलिस ने घर पर दस्तक दी। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को पुलिस ने कांग्रेस के यूपी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को उनके घर पर नजरबंद कर लिया। राय ने 11.30 बजे प्रदेश कार्यालय पर प्रेस कान्फ्रेंस बुलाई थी।

वह कान्फ्रेंस को संबोधित करने के लिए घर से निकलते इससे पहले ही पुलिस ने दस्तक दी। इसके बाद उन्हें घर से नहीं निकलने दिया गया। इस पर अजय राय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा कि, पुलिस भेजकर हमें रोकना, कार्यकर्ताओं की आवाज दबाना। ये लड़ाई को रोक नहीं पाएगा, ये वोट चोरों को बचा नहीं पाएगा।उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस का हर बब्बर शेर कार्यकर्ता गली-गली, गांव-गांव से विरोध करेगा। आवाज देगा। मोदी, वोट चोरी बंद करो! दरअसल, पीएम मोदी के वाराणसी दौरे को लेकर अजय राय ने प्रदर्शन का एलान किया था। इसी को लेकर वह प्रेस वार्ता भी करने वाले थे। लेकिन, इससे पहले ही उन्हें नजरबंद कर लिया गया। घर से नहीं निकलने दिया गया।

मेरे खिलाफ पैसे देकर चलाया जा रहा राजनीतिक अभियान;ई20 पेट्रोल की आलोचना पर नितिन गडकरी का पलटवार

केंद्रीय मंत्री सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के वार्षिक सम्मेलन में सवालों के जवाब दे रहे थे। यहां उनसे पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछा गया था।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि श्व20 मिश्रित ईंधन के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाया जा रहा अभियान मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए है। इसे पैसे देकर चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के वार्षिक सम्मेलन में सवालों के जवाब दे रहे थे। यहां उनसे पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछा गया था।गडकरी ने जवाब दिया कि ऑटोमोबाइल निर्माता और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI) जैसी संस्थाओं ने पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण पर अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। मंत्री ने कहा, %जिस तरह आपका उद्योग काम करता है, उसी तरह राजनीति भी काम करती है। सोशल मीडिया अभियान सशुल्क था। यह मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए था। इसमें कोई तथ्य नहीं है। सब कुछ स्पष्ट है। इथेनॉल मिश्रण आयात का विकल्प, लागत-प्रभावी, प्रदूषण-मुक्त और स्वदेशी है।गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात पर भारी रकम खर्च करता है। उन्होंने पूछा कि क्या जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने और बचाई गई राशि को भारतीय अर्थव्यवस्था में लगाने का प्रयास करना आर्थिक रूप से एक अच्छा कदम नहीं है। उन्होंने कहा, %हमने मक्का से इथेनॉल बनाया। इस कदम से किसानों को 45,000 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है।

अमित शाह ने पांच और एयरपोर्ट पर शुरू किया फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन, अब 12 हवाई अड्डों पर मिलेगी सुविधा

गृहमंत्री अमित शाह ने 'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' को देश के पांच और हवाई अड्डों पर शुरू किया है। अब यह योजना 12 एयरपोर्ट पर लागू हो चुकी है। इसके तहत भारतीय नागरिक और ओसीआई कार्डधारक ई-गेट से तेजी और बिना परेशानी के इमीग्रेशन क्लियरेंस पा सकेंगे। अब तक तीन लाख यात्री योजना से जुड़ चुके हैं। सरकार का लक्ष्य है कि इसे 21 एयरपोर्ट तक विस्तार दिया जाए।केंद्र सरकार ने यात्रियों के लिए हवाई सफर को और आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई-टीटीपी) को देश के पांच और हवाई अड्डों पर शुरू किया। इस योजना के तहत भारतीय नागरिकों और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारकों को इमीग्रेशन प्रक्रिया में लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा और वे ई-गेट से जल्दी क्लियरेंस पा सकेंगे।यह योजना सबसे पहले जुलाई 2024 में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शुरू हुई थी। इसके बाद दो महीने में इसे मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद, कोचीन और अहमदाबाद में लागू किया गया। अब इस सुविधा को लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, तिरुचिरापल्ली, कोझिकोड और अमृतसर एयरपोर्ट पर भी लागू कर दिया गया है।तीन लाख लोग जुड़ चुके हैं योजना से गृहमंत्री शाह ने वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान कहा कि फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन से यात्रियों को तेजी, सुरक्षा और बिना परेशानी के अंतरराष्ट्रीय सफर का अनुभव मिलेगा। अभी तक तीन लाख लोगों ने इस योजना के लिए पंजीकरण कराया है, जिनमें से करीब 2.65 लाख यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ भी उठाया है।कैसे करेगा काम? योजना के तहत यात्री ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें पासपोर्ट की न्यूनतम वैधता छह महीने होनी चाहिए। आवेदन स्वीकृत होने के बाद यात्री को बायोमेट्रिक विवरण (फिंगरप्रिंट और चेहरे की तस्वीर) देने के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे या नजदीकी विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) जाना होगा। सफल सत्यापन के बाद यात्री को व्हाइट लिस्ट ऑफ ट्रस्टेड ट्रैवलर्स में शामिल किया जाएगा। अमेरिका की तर्ज पर बनी योजना अधिकारियों के मुताबिक यह योजना अमेरिका के ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम की तर्ज पर बनाई गई है। वहां पहले से अनुमोदित यात्रियों को देश में प्रवेश के समय तेजी से क्लियरेंस मिलती है। भारत में भी अब इस व्यवस्था के जरिए यात्रियों को ई-गेट से गुजरने पर तुरंत इमीग्रेशन क्लियरेंस मिल जाएगा।21 एयरपोर्ट तक विस्तार की योजना केंद्र सरकार की योजना है कि इस प्रोग्राम को चरणबद्ध तरीके से देश के 21 बड़े हवाई अड्डों तक पहुंचाया जाए।

दिशा की बैठक में सांसद राहुल गांधी, एक दिन पहले सड़क पर विरोध करने वाले यूपी के मंत्री भी पहुंचे

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी रायबरेली दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन वह कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।रायबरेली के ऊंचाहार में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात करने के बाद सांसद राहुल गांधी दिशा की बैठक में पहुंचे। जिस तरह से राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बुधवार को सांसद के खिलाफ प्रदर्शन किया था, उससे बैठक में गहमागहमी होने की संभावना है। हालांकि, बैठक में राज्यमंत्री भी पहुंचे और सांसद राहुल के पास ही उनकी भी कुर्सी लगाई गई थी।मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी के रायबरेली आगमन पर विरोध प्रदर्शन किया था और धरना देते हुए सड़क पर बैठ गए थे। इसके बाद बुधवार शाम को प्रेस कांफ्रेंस कर राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि राहुल दगे हुए बम हैं।सांसद प्रशासनिक अधिकारियों से पूर्व की बैठक के कार्यों की पूर्ति के साथ जिला अस्पताल में आईसीयू शुरू न होने पर भी सवाल कर सकते हैं। अपने दौरे में राहुल गांधी ने पंचायत चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरा है। वोट चोर गद्दी छोड़ के मुद्दे को भी सांसद ने रायबरेली में उछाला है। उनका कहना है कि इस मुद्दे को आने वाले दिनों में कई चरणों में लोगों के सामने रखा जाएगा। लोगों को सच्चाई मालूम चलेगी। ऊंचाहार विधायक ने दिशा की बैठक का किया बहिष्कार ऊंचाहार विधायक डा मनोज कुमार पाण्डेय ने दिशा की बैठक का बहिष्कार किया। उन्होंने कहा कि सांसद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री की मां को गाली दिए जाने के मामले में माफी मांगनी चाहिए। इस पर सांसद ने माफी मांगने से इंकार कर दिया।

संपादकीय Editorial

For now, some clouds have definitely cleared

in front of the Himachal government which is engaged in collecting relief of 1500 crores. Prime Minister Narendra Modi finally reached the island of relief in Himachal by boarding the boats that the disaster-stricken Himachal had run to express its grievances. After several days of efforts, efforts of the ruling and opposition parties, letters from MPs and cries of the public, the Prime Minister has given the message of relief of 1500 crores. In a high-level meeting at Gaggal airport, while answering humanitarian questions floating in the scene of advocacy and grief, the Prime Minister has at least arranged for 1500 crores for now. It is a different matter that if the loss of Seraj assembly alone has to be fully compensated, then even this installment will fall short, yet a scope of relief has been fulfilled. After the rains, preparations for relief from the center have started. There can be many stages of relief and if the amount of fifteen hundred crores becomes a lump sum offer, then the state will be able to take the initial steps of reconstruction immediately. To compensate for the losses in the state, the Centre will have to show its generosity, goodwill and honesty, because the sighs of Himachal have not been heard completely yet. Cities and villages are still thirsty, because ninety percent of water supply projects have been destroyed. Similarly, seventy percent of roads have also been destroyed and in some places, even their traces have been erased. In the agricultural sector, vegetables and crops are now mourning their loss till the next season, while this havoc has completely broken down the rural economy. The actual assessment of the loss has not been done yet. If we look at it on humanitarian grounds, so many houses, so many families, so many villages and settlements have been destroyed. The definition of relief needs a broad basis. On one hand, there is short-term compensation, and on the other hand, Himachal's future will need a long-term assistance plan. The entire tourism industry of the state has been destroyed. In such a situation, the limited scope of relief will have to be linked to long-term plans in the comprehensiveness of rehabilitation. To resettle a town like Thunag, a township project is required there. Considering the drainage of the entire state under a special management, channelization of major ravines, drains and kuhals is required. Ensuring the construction standards in the state, the cost estimate of the centrally funded schemes will have to be increased. Considering the geological conditions, economy and environmental cooperation of the entire Himalayan region, a new relationship agreement is needed between land revenue and forest property. Construction has started happening in unsafe places under the pressure of 68 percent forest land of the state. Forest land should not exceed 50 percent in any case so that the geographically most safe and barren lands measured under forests can be made available for rehabilitation, reconstruction and economic construction. Many dangerous signs of the current formula of forest policy have emerged, hence the state government will have to move ahead and remove some fences of the Forest Protection Act in the imperative of protecting the citizens. In the end, the fate of a state like Himachal is now being decided by injustice under the annual funding. The hill state, which is burdened with a debt of one lakh crore, should immediately get disaster relief, connectivity, economy and tourism packages like the Atal government. What the government and the opposition have achieved together from the Prime Minister is still a little, a lot is still left.

Freedom from complex tax system, crores of people will benefit from the changes

With the implementation of new changes under the new GST system as well as the new Income Tax Act, crores of people of the country will be benefited and corruption will also be controlled. New important tax reforms under GST and Income Tax will help in increasing the number of taxpayers, reducing tax complexity and litigation and increasing tax collection. Recently, Prime Minister Narendra Modi said that the new bold reforms in Goods and Services Tax (GST) and Income Tax will not only make the life of the common man easier, but the country will also move rapidly on the path of developed India. Finance Minister Nirmala Sitharaman also said that with the new tax reforms, India can become the third largest economy in the world by the end of this financial year 2025-26. Similarly, in the reports of various economic and financial organizations of the world, the possibilities of rapid development of India are being presented due to the reforms made in GST and Income Tax. It is worth noting that the GST Council has approved a two-tier GST with 5 and 18 percent slabs, changing the four tax slabs of 5, 12, 18 and 28 percent. However, 40 percent tax will be applicable on some items falling in the category of harmful goods. There are three major bases of the reforms made in GST. First, structural reform. In this, the tax structure has been further improved. Second, tax rates have been rationalized so that essential goods are cheaper. Third, new registration and refund have been made easy. This will bring balance in input and output tax rates. The process of GST registration to compliance report has also been made easy. Businessmen will now be able to register themselves on the GST portal in just three days. There will be a system to give them refund in seven days. The problems in input tax returns due to difference in rates of raw material and finished goods have also been eliminated. With the new changes in GST rates, about 99 percent of the items currently having 12 percent GST will now come in the five percent slab. While about 90 percent of the items taxed at 28 percent will come under the 18 percent slab. With the new change, hundreds of items used by the common man, farmers and small industries will become cheaper. This will lead to a strong increase in domestic consumption. The middle class will spend money on the purchase of products and private investment will also get a boost due to increased demand. The government also hopes that despite the annual revenue loss of Rs 47,000 crore, this will accelerate market activities and the way the economy will gain momentum, the immediate loss will be easily compensated. The common man and the middle class will get relief in prices and their purchasing power will increase. Cash flow will also increase in the market. Small industries which are worried about the decrease in exports due to Trump tariff will get a big support from the increasing demand of domestic consumers. Industrial production will increase due to reduction in GST and demand will be seen increasing from the manufacturing sector to the service sector. It is estimated that consumption will increase by about two lakh crore rupees due to reduction in GST in the country and exports will also get a new impetus. GDP will increase due to increase in demand and production. Employment opportunities will increase. India's ease of doing business ranking will also improve at the global level. The creation of two slabs of GST will make its implementation and accounting process easier. The central government has moved forward rapidly to make income tax easier and more relieving along with the changes in GST. The Income Tax Bill, 2025 has now become a law after the President's approval. This law will replace the existing Income Tax Act, 1961 and will be implemented from April 1, 2026. In fact, the new Income Tax Act is not just a change in some sections, but is going to transform the entire tax system. This will start a new era of digital and simple era of tax system in the country. Under this new law, a system will be created by eliminating the web of tax laws, which will be simple and beneficial for common taxpayers. With this, new taxpayers will be ready to pay income tax according to their income. The new Income Tax Act simplifies the old law by about 50 percent. The new law removes the ambiguities related to income from house property. Through the new law, provisions that had become irrelevant in the tax law have been removed. With the implementation of new changes under the new GST system as well as the new income tax law, crores of people of the country will be benefited and corruption will also be controlled. New important tax reforms under GST and income tax will help in increasing the number of taxpayers, reducing tax complexity and litigation and increasing tax collection. The country's industries and businesses will give economic momentum to the country while facing Trump's tariff challenges. This rapidly increasing tax collection will also be seen playing an important role in making the country the third largest economy in the world and a developed nation by the year 2047.

Politics that provokes emotions, one must be cautious

Indian Muslims should learn from some Islamic countries of Arabia where Islam was born. They are supporting a liberal Islam. Not only this, these countries are keeping their youth away from the thinking of fundamentalists and their cruelty. These Islamic countries are also inspiring the people of their country to become cultured citizens. The presence of the national symbol Ashok Chakra on the renovation stone plaque of the famous Hazratbal Dargah of Srinagar provoked anger among some Kashmiri Muslims who visited the mosque on Eid-e-Milad (Prophet's birthday on September 5). The incident of vandalism targeting the Ashok Chakra hurt the sentiments of the entire country. This issue is related to sensitivities within Islam and within Islam and non-Islam. Since politics got involved in this controversy, an impartial investigation of this subject is necessary. Jammu and Kashmir Waqf Board had renovated the Asri Sharif Hazratbal Dargah. It was inaugurated on September 3, 2025 by Dr. Syed Darakhshan Andrabi, Chairperson of the Jammu and Kashmir Waqf Board. Other members mentioned on the plaque include Syed Mohammad Hussain, Dr. Ghulam Nabi Haleem, Tehsildar of the Board Ishtiaq Mohiuddin and Engineer Syed Ghulam A Murtaza. There is an Urdu text in the middle at the top of the plaque. On the right is a picture of a mosque above a crescent and on the left is the Ashoka Chakra symbol of the same size. Neither this plaque nor any of the symbols inscribed on it were of worship. It is certain that the Ashoka Chakra was noticed only on September 3. Yet no voice of dissent or protest was raised until September 4. Protest was expressed only on September 5. First a group of men and then a group of women vandalised the symbol inscribed on the plaque by pelting stones. It appears that this act was done deliberately. Surprisingly, this vandalism was defended by political leaders. They could have taken up the matter privately with the board or the governor, but they adopted a different and provocative approach. Their intention appeared to be to incite sentiments in the country as well as in Kashmir. The argument that the lions in the Parliament House in Delhi are symbolic and inconsistent with the religious values ??of the shrine sounds completely hollow. The fame of the Hazratbal shrine is due to a sacred relic, a hair from the beard of Prophet Muhammad, called the Moi-e-Muqaddas. It is revered as the personal symbol of the prophet, though it is not formally worshipped. The question arises, could not the Ashoka Chakra have been respected as the symbol of the republic on a plaque where it was not being formally worshipped? Andrabi condemned the vandalism, calling it a “terrorist attack” and an assault on the Constitution, the dignity of the shrine and national symbols. She blamed the National Conference workers for the nuisance and linked it to their frustration at not being able to control the Waqf Board. There seems to be some substance to this statement. This is all the more so because former Chief Minister Sheikh Abdullah had built his public image as a prominent leader of Kashmiri Muslims by taking control of mosques and dargahs and bringing them under the Waqf Board. This was the pillar of his politics. Perhaps the National Conference regrets not having control over the Waqf Board. Jammu and Kashmir Chief Minister Omar Abdullah virtually supported the vandalism of the dargah with the Ashoka Chakra on its plaque. He questioned the installation of the Ashoka symbol at the religious site and also opposed the imposition of the Public Safety Act (PSA) on those involved in the vandalism. Omar Abdullah's views were also supported by People's Democratic Party (PDP) leader and former Chief Minister Mehbooba Mufti and her daughter. Mehbooba Mufti said that placing the national emblem at the dargah was tantamount to blasphemy. She also claimed that the protest was "not against the emblem", but against "idol worship". CPI(M) leader and MLA MY Tarigami and Mirwaiz Umar Farooq also sided with the protesters. In this case, the question remains that why did no one raise their voice on September 3 or 4? Amidst this question, some Muslims criticized the protesters, saying that the Ashoka Pillar is a part of India's cultural heritage and a national symbol. Its presence on the stone plaque outside the mosque neither hinders the prayers nor harms religious faith in any way. Interestingly, the Ashoka Chakra is also inscribed on Haj identity cards and Indian passports. For this reason, questions are being raised that will those who oppose the Ashoka Chakra oppose the Indian passport during the Haj pilgrimage? Amidst this controversy, on September 8, a picture of a green and white hoarding installed at the Hazratbal Dargah surfaced on social media. This hoarding, installed during the PDP-BJP coalition government (2017-2022), has the Ashoka Chakra inscribed on it and the message of the scheme is written. It was an initiative of the Union Ministry of Tourism (2014-15), which was for the development of pilgrimage sites of historical importance. If the critics are coming to the conclusion that the opposition to the national emblem by the National Conference and the People's Democratic Party is purely political, then they cannot be called wrong. More so, because the national emblems of many Islamic countries are inscribed on the hoardings and plaques of mosques of those countries. The Muslims of India are not at all like the Muslims of Arabia. We should learn from some Islamic countries where Islam was born. They are supporting a liberal Islam. Not only this, these countries are keeping their youth away from the thinking of fundamentalists and their cruelty. These Islamic countries are also inspiring the people of their country to become cultured citizens. After all, why can't the Muslims of India emulate the Muslims of these Islamic countries?

सरेराह छात्राओं से छेड़खानी और फायरिंग, चार युवक गिरफ्तार.. भेजे गए जेल, तमंचा भी बरामद

कुंदरकी थानाक्षेत्र में नानपुर पुलिया के पास नर्सिंग छात्राओं से छेड़खानी और फायरिंग करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपियों के पास से तमंचा भी बरामद किया गया है। घटना आठ सितंबर को मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर हुई थी।

कुंदरकी थानाक्षेत्र में मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर नानपुर की पुलिया के पास नर्सिंग की दो छात्राओं के साथ बाइक सवारों ने छेड़खानी की। घटना के समय छात्राएं अपने भाइयों के साथ मेला देखकर घर लौट रही थीं। छेड़खानी का विरोध करने पर आरोपियों ने फायरिंग की। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।एक आरोपी से तमंचा भी बरामद किया गया है। भगतपुर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने कुंदरकी थाने में दर्ज कराए केस में बताया कि उसकी बेटी अपने दो भाइयों और पड़ोसी युवती के साथ मुरादाबाद में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। आठ सितंबर को चारों चंदौसी में अपनी नानी के घर गणेश चौथ का मेला देखने गए थे।गलती से चारों अपनी बाइक व स्कूटी से नानपुर पुल से बरेली हाईवे पर चले गए जहां हाईवे पर चढ़ते ही किनारे खड़े चार युवकों ने उनको रोक लिया। बाइक की चॉबी भी निकाल कर नीचे फेंक दी। आरोप है कि इन युवकों ने दोनों छात्राओं से छेड़खानी की। विरोध करने पर आरोपियों ने तमंचा निकाल कर फायर कर दिया। इस घटना में वह बाल-बाल बच गए। बाद में चारों आरोपी धमकी देते हुए वहां से भाग गए। इंस्पेक्टर वीरेंद्र तोमर ने बताया कि इस मामले में कुंदरकी के हुसैनपुर हमीर गांव निवासी आरोपी विपिन, विकास, विक्की और छिरावली गांव निवासी पवन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी विक्की के कब्जे से तमंचा बरामद किया है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने चारों आरोपियों को दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी जेल भेज दिए गए।

बिजनौर के महिला थाने में तैनात बरेली के दरोगा की संदिग्ध हालत में मौत

मुरादाबाद - उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। महिला थाने में तैनात दरोगा चंद्रपाल सिंह की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। थाने में दरोगा की मौत ने पुलिस विभाग में हड़कंप मचा दिया। घटना की भनक लगते ही एसपी सिटी संजीव वाजपेयी पुलिस फोर्स के साथ महिला थाने पहुंचे और मामले की जांच की। मृतक दरोगा मूलरूप से बरेली जिले के रहने वाले थे। फिलहाल अभी परिवार के साथ बदायूं में रह रहे थे और बिजनौर में तैनात थे। महिला थाने में तैनात दरोगा चंद्रपाल सिंह की मौत कैसे हुई? यह रहस्य अभी गहराया है? फॉरेंसिक टीम ने थाना परिसर से सैंपल जुटाए हैं। थाने में तैनात पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने उनका शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर, दरोगा की मौत खबर मिलने पर परिजन बिलख उठे हैं। चीख-पुकार के बीच बदहवास परिजन बिजनौर पहुंचे हैं। पुलिस के मुताबिक दरोगा की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट सामने आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस अधिकारी इस केस में अभी ज्यादा कुछ बोलने से कतरा रहे हैं। दरोगा की मौत से महिला थाने में मातम पसरा है। चंद्रपाल के सहकर्मी भी गमगीन है। आम लोग भी इस घटना से दंग हैं। हर किसी की जुबान पर यही सवाल बना है कि आखिर दरोगा की मौत कैसे हुई? बहरहाल, पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरी तस्वीर साफ हो पाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही पूरी स्थिति साफ हो पाएगी। इस घटना से पुलिस महकमे में गहन शोक और चिंता का माहौल है। फिलहाल पुलिस अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

कारोबारी की तिजोरी से नकदी चोरी करती थी नौकरानी, चाबी गायब मिली तो हुआ खुलासा, पति समेत तीन पकड़े

मुरादाबाद सिविल लाइंस के रामगंगा विहार टीडीआई सिटी में पेंट कारोबारी के घर से नौकरानी ने पति और भाई की मदद से तिजोरी से धीरे-धीरे लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ली। तिजोरी की चाबी गायब मिलने पर वारदात का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर 3.98 लाख रुपये व जेवर बरामद किए हैं।मुरादाबाद के सिविल लाइंस के रामंगा विहार टीडीआई सिटी

निवासी पेंट कारोबारी मनप्रीत सिंह के घर से नौकरानी प्रियंका उर्फ पूजा ने लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ली। नौकरानी धीरे-धीरे तिजोरी से नकदी और जेवर चोरी करती रही और अपने पति और भाई को सामान देती रही। कारोबारी ने लॉकर की चाबी गायब देखी तो इस वारदात का पता चल पाया।पुलिस ने नौकरानी, उसके पति और भाई को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि रामगंगा विहार टीडीआई सिटी निवासी मनप्रीत सिंह का लाकड़ी फाजलपुर में पेंट का शोरूम है। तीन माह पहले उनके घर अमरोहा के महमूदपुर अबूशहीदपुर उर्फ सूदनपुर निवासी प्रियंका उर्फ पूजा काम मांगने आई थी।उसने कारोबारी को बताया कि वह सिविल लाइंस के मोरा की मिलक में अपने पति और परिवार के साथ रहती है। परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। उसे काम मिल जाएगा तो वह घर चलाने में पति की मदद कर सकेगी। कारोबारी ने उसे अपनी घर में नौकरानी रख लिया। एक दिन प्रियंका ने कारोबारी के घर की तिजोरी में लाखों रुपये की नकदी और जेवर देखा तो उसने इसकी जानकारी अपने पति विकास चौधरी और भाई शिवम को दी। इसके बाद तीनों ने कारोबारी के घर में चोरी की प्लानिंग की। तय हुआ कि वह एक दिन में चोरी नहीं करेंगे बल्कि प्रियंका धीरे-धीरे नकदी और जेवर चोरी करती रहेगी और सामान घर से बाहर लाकर हमें देगी। योजना के मुताबिक प्रियंका ने तिजोरी की चाबी हासिल कर ली। इसके बाद जब परिवार के लोग इधर-उधर होते तो वह सफाई करने के बहाने तिजोरी वाले कमरे में घुस जाती और लॉकर खोलकर जेवर व नकदी चोरी कर लेती थी। महिला ने तिजोरी से रानी हार, नोज पिन, तीन जोड़ी टप्स, एक नेकलेस सेट, 250 ग्राम चांदी के सिक्के के अलावा लाखों की नकदी चोरी कर ली। सोमवार को कारोबारी ने तिजोरी की चाबी गायब पाई। तलाश करने पर भी चाबी नहीं मिल पाई तो उन्होंने दूसरी चाबी से तिजोरी खोली तो नकदी और जेवर गायब थे। पुलिस ने केस दर्ज कर नौकरानी से पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह कबूल लिया। इसके बाद पुलिस ने उसके पति विकास चौधरी और छजलैट के दूल्हेपुर गांव निवासी भाई शिवम चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से सोने चांदी के जेवर और 3.98 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं।

टांडा, बादली में चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान

टांडा। टांडा और बादली में 12 अगस्त से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलेगा। इस संबंध में बुधवार को पीडब्ल्यूडी ने नगर में मुनादी करा दी। इससे दुकानदारों में हड़कंप मचा है।एसडीएम राजकुमार भास्कर ने चेतावनी देते हुए कहा कि नोटिस प्राप्त करने वाले सभी लोग हर हाल में 11 सितंबर की शाम तक अपने अवैध निर्माण स्वयं ध्वस्त कर लें, अन्यथा 12 सितंबर को प्रशासन खुद कार्रवाई करेगा और उसका जुर्माना भी वसूला जाएगा।नगर के करीब सौ दुकानदार हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां से उन्हें अपने प्रत्यावेदन सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी को देने के आदेश मिले थे। आदेश के अनुपालन में दुकानदारों ने प्रत्यावेदन जमा कराए लेकिन विभाग ने सभी 99 प्रत्यावेदन निरस्त कर दिए। इसके बाद अभियान का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया था। पीडब्ल्यूडी के अनुसार अब तक 480 लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इनमें से लगभग 1000 अवैध निर्माण ध्वस्त किए जाने हैं। करीब 300 दुकानें पहले ही पूरी तरह गिराई जा चुकी हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर कराई गई पुनः पैमाइश में सभी चिह्नीकरण सही पाए गए थे। इसके बाद सात अगस्त को हुई बैठक में स्पष्ट कर दिया गया था कि 11 अगस्त की समय सीमा के बाद प्रशासन खुद कार्रवाई करेगा। अधिशासी अभियंता उदयपाल सिंह ने बताया कि सभी प्रत्यावेदन का गहन परीक्षण किया गया था। किसी में भी वैधानिक आधार नहीं पाया गया। इसलिए उन्हें निरस्त कर दिया गया है। अब विभाग तय समय पर अभियान चलाएगा और सभी अवैध निर्माण हटाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

किशोरी से दुष्कर्म में दोषी को आजीवन कारावास, एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

किशोरी से दुष्कर्म करने के दोषी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा उस पर एक लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। मुरादाबाद की अदालत में यह फैसला नौ साल पुराने केस में दिया। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) द्वितीय घनेंद्र कुमार की अदालत ने बुधवार को कटघर के नौ साल पुराने किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में मुलजिम गणेश को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।पीड़िता के पिता ने सात फरवरी 2016 को कटघर थाने में बलदेवपुरी निवासी गणेश के खिलाफ केस दर्ज कराया था जिसमें पिता ने बताया कि आरोपी उसकी 17 वर्षीय बेटी को अगवाकर ले गया है। उसने आरोपी के घर जाकर बेटी के बारे में पूछा तो उसे जान से मारने की धमकी दी और घर से भगा दिया।इस मामले में पुलिस ने किशोरी को बरामद किया और उसका मेडिकल परीक्षण कराया। इसके अलावा मजिस्ट्रेट के सामने उसके बयान दर्ज कराए। पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट और बयानों के आधार पर केस में पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म की धाराएं बढ़ाई और आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने इस मामले में 14 जून 2016 को आरोपी गणेश के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म, अपहरण, जान से मारने की धमकी देने में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। इस मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) द्वितीय घनेंद्र कुमार की अदालत में चली। सरकार की ओर से अभियोजक मनोज गुप्ता और मो. अकरम खान ने पक्ष रखा और आरोपी को कड़ी सजा दिलाने को दलीलें दीं। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मुलजिम गणेश को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। अदालत ने आदेश दिया है कि अर्थदंड की धनराशि में से 75 प्रतिशत पीड़िता को दिया जाएगा। अर्थदंड जमा न करने पर दोषी को पांच माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

पानी की कमी से बढ़ रहीं गर्भवती महिलाओं की परेशानियां

मुरादाबाद - गर्भावस्था के दौरान पानी की कमी गर्भवती महिलाओं और शिशु दोनों के लिए गंभीर खतरा बन रही है। चिकित्सकों का कहना है कि पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने के कारण महिलाओं को प्रसव के समय परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में पोषण तत्वों के साथ-साथ पानी की कमी भी आम समस्या है। जिला अस्पताल में आने वाली महिलाओं में से औसतन 10-12 महिलाओं में ये समस्या देखने को मिल रही है। जिला महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. निर्मला पाठक ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को रोज 3-4 लीटर पानी पीना चाहिए। पानी की कमी से गर्भस्थ शिशु का सामान्य रूप से वजन नहीं बढ़ पाता। इसका असर सीधे शिशु के अंगों के विकास पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि इससे ब्लड प्रेशर, डिहाइड्रेशन, मांसपेशियों में खिंचाव जैसी दिक्कतें सामने आती हैं और समय से पहले प्रसव का खतरा भी बढ़ जाता है। गर्भावस्था में पानी की कमी मां और शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। शरीर में पानी की मात्रा कम होने पर खून गाढ़ा हो जाता है, जिससे भ्रूण तक पर्याप्त पोषण और ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती।

भैंस चराने गया ग्रामीण कोसी की तेज धार में बहा

पटवाई। क्षेत्र में एक ग्रामीण कोसी के तेज बहाव में बह गया। सूचना के बाद रेस्क्यू टीम ने पहुंचकर बुजुर्ग की तलाश शुरू कर दी है।क्षेत्र के नानकार गांव निवासी 50 वर्षीय पूरन करीब 12 बजे भैंस को लेकर कोसी नदी पर गए थे। बताया गया कि भैंसों के साथ नदी पार करते हुए वह तेज धार में आ गए। बहाव तेज होने के कारण वह खुद को संभाल नही पाए और कोसी में बह गए। जानकारी के बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों ने तुरंत तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने पहुंचकर रेस्क्यू टीम को सूचना दी, जिसके बाद टीम ने पहुंचकर बुजुर्ग की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि कोसी नदी में ग्रामीण बह गया है।

स्टांप एवं निबंधन शुल्क के जरिये कमाई करने में रामपुर प्रदेश में अव्वल

रामपुर। रामपुर के निबंधन कार्यालय में संपत्ति पंजीकरण से राजस्व प्राप्ति में शत प्रतिशत राजस्व कमाने में रामपुर ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है।डीएम जोगिंदर सिंह ने बताया कि स्टांप एवं निबंधन विभाग द्वारा जनपद रामपुर को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित वार्षिक एवं क्रमिक राजस्व लक्ष्य के सापेक्ष सर्वाधिक प्रतिशत राजस्व प्राप्ति अर्जित करते हुए प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ है। सहायक महानिरीक्षक निबंधन रमेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग द्वारा जारी प्रदेश के माह अगस्त 2025 तक के प्रगति विवरण के अनुसार जनपद रामपुर का वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु वार्षिक राजस्व लक्ष्य 290 करोड़ निर्धारित है।माह अगस्त तक जनपद के निर्धारित क्रमिक राजस्व लक्ष्य 125.10 करोड़ के सापेक्ष 145.30 करोड़ की प्राप्ति अर्जित की गई है, जो कि क्रमिक लक्ष्य के सापेक्ष 116.2 प्रतिशत है। वार्षिक लक्ष्य 290 करोड़ के सापेक्ष माह अगस्त, 2025 तक जनपद द्वारा 145.30 करोड़ राजस्व प्राप्ति की गई, जो वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष 50.1 प्रतिशत है। इस प्रकार क्रमिक एवं वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष जनपद रामपुर की राजस्व प्राप्ति प्रदेश में सर्वाधिक है।

रामपुर में 2.36 लाख वोटर डुप्लीकेट, जांच शुरू

यानि एक नाम के कई वोटर एक ही गांव में पाए गए हैं। कई वोटरों के पिता व पति का नाम भी लगभग एक जैसे ही हैं। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) के जरिये वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट वोटरों की छंटाई की गई है। डुप्लीकेट वोटर छांटने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने यह सूची अब प्रशासन को भेज दी है। साथ ही इस मतदाता सूची का सत्यापन कराने के भी आदेश दिए हैं। आयोग के आदेश के बाद प्रशासन ने डुप्लीकेट नामों के मतदाताओं की सूची का सत्यापन शुरू करा दिया है। जिले की 680 ग्राम पंचायतों में चलाए जा रहे अभियान के तहत डुप्लीकेट वोटर लिस्टों की जांच शुरू कराई गई है। जांच का काम शुरू कर दिया है। कहां कितने डुप्लीकेट वोटर ब्लॉक-डुप्लीकेट वोटर सैदनगर - 30909 मिलक -53138 बिलासपुर-23870 शाहबाद- 39568 स्वार- 55432 कुल- 236002 आधार से होगा वोटरों के नामों का मिलान रामपुर। डुप्लीकेट वोटरों का मिलान अब आधार कार्ड के जरिये किया जाएगा। बीएलओ को इस संबंध में आयोग की ओर से निर्देश जारी किया गया है। जारी निर्देश के मुताबिक प्रत्येक डुप्लीकेट वोटर के कागजातों का सत्यापन होगा। साथ ही आधार कार्ड के साथ ही अन्य जरूरी कागजातों की जांच कराई जाएगी। चुनाव आयोग ने डुप्लीकेट मतदाताओं की एआई आधारित सूची भेजी है, जिसका सत्यापन कराया जा रहा है। सत्यापन के बाद सही स्थिति सामने आएगी कि कितने वोट डुप्लीकेट हैं और कितने सही पाए गए हैं। अनिल कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी, पंचास्थिनी चुनाव

बीजी सीरीज के नंबरों को लेकर लखनऊ में कमेटी गठित

रामपुर। जिले में निजी वाहनों को सरकारी वाहनों के आरक्षित नंबर बांटने का मामला सामने आने के बाद लखनऊ में कमेटी गठित कर दी गई है। यह कमेटी निजी वाहनों पर लगे बीजी नंबरों को लेकर इस लापरवाही की जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई करेगी।शासन की ओर से 2013 में जारी नीति के अनुसार परिवहन विभाग ने जी सीरीज के पंजीकरण नंबर सरकारी वाहनों के लिए आरक्षित किए थे। इसके तहत एजी, बीजी, सीजी आदि सीरीज के नंबरों को आम वाहन स्वामियों को आवंटित नहीं किया जा सकता है, लेकिन फिर भी परिवहन विभाग ने निजी वाहनों को भी इस तरह के नंबर जारी कर दिए हैं।मामला खुलने के बाद परिवहन विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। इसको लेकर अब लखनऊ स्तर से संबंधित अधिकारियों ने संज्ञान ले लिया है और अब लखनऊ में ही एक कमेटी तैयार कर दी गई है। यह कमेटी इस लापरवाही की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट देगी, इसके बाद जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर लखनऊ की टीम यहां पर भी कर्मचारियों से पूछताछ करने में लगी हुई है। इसके अलावा अन्य जरियों से इसका पता लगाने में जुटी हुई है। एआरटीओ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ स्तर से एक कमेटी बनी है, वही अब इसकी जांच कर रही है। बताया कि जैसे निर्देश आते हैं, उसके हिसाब से कार्रवाई कराई जाएगी

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महिला पुलिसकर्मियों की आंखें हुईं नम इंस्पेक्टर की विदाई में सभी हुए भावुक

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। यूपी पुलिस महकमे में तबादले आम बात है, लेकिन कई बार विदाई के ऐसे दृश्य सामने आ जाते हैं जो लंबे समय तक चर्चा का विषय बने रहते हैं। कुछ ऐसा ही नजारा बरेली के प्रेमनगर थाने में देखने को मिला, जब इंस्पेक्टर आशुतोष रघुवंशी का तबादला आगरा ज़ोन के लिए हो गया। विदाई के इस मौके पर न सिर्फ साथी पुलिसकर्मी भावुक हो उठे, बल्कि कई महिला पुलिसकर्मी इंस्पेक्टर से गले लगकर रोती नज़र आईं। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिस पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। विदाई में छलके जज्बात इंस्पेक्टर आशुतोष रघुवंशी बरेली पुलिस महकमे में अपनी अलग पहचान रखते हैं। प्रेमनगर थाने में उनकी तैनाती के दौरान वे न केवल अपने काम को लेकर चर्चित रहे, बल्कि पुलिसकर्मियों के बीच एक सौम्य और सहयोगी अफसर के तौर पर भी मशहूर रहे। विदाई समारोह के दौरान जब उनका तबादला आदेश पढ़ा गया तो मौजूद पुलिसकर्मी भावुक हो गए। खास बात यह रही कि कई महिला पुलिसकर्मी उन्हें गले लगाकर रोने लगीं। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों और लोगों की आंखें भी नम हो गईं। बरेली के इस विदाई समारोह ने यह साबित कर दिया कि पुलिस विभाग सिर्फ सख्ती और नियमों से ही नहीं चलता, बल्कि इंसानियत और आत्मीय रिश्तों से भी भरा होता है। इंस्पेक्टर आशुतोष रघुवंशी की विदाई का यह दृश्य लंबे समय तक पुलिस महकमे और बरेलीवासियों की यादों में ताज़ा रहेगा।

बारादरी क्षेत्र के सेटेलाइट पर युवक की गोली मारकर हत्या, ऑटो चालक और उसके साथी नामजद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात ईसाइयों की पुलिया के पास एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। विवाद की जड़ सेटेलाइट बस अड्डे पर ऑटो चालक से हुई कहासुनी बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए, जबकि पुलिस ने एक को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, बिशारतगंज निवासी गौरव गोस्वामी अपने चचेरे भाई आकाश गोस्वामी और तहेरे भाई मनोज गोस्वामी से मिलने शाही क्षेत्र के गांव कुल्चा गए थे। रात में लौटते समय तीनों ने साईं किशोर होटल पर खाना खाया और फिर सेटेलाइट स्टैंड पहुंचे। यहां एक ऑटो चालक से विवाद हो गया। आरोप है कि झगड़े के बाद ऑटो चालक अपने साथियों संग ईसाइयों की पुलिया पर पहुंचा, जहां दोनों पक्षों में मारपीट और गाली-गलौज हुई। इसी दौरान आरोपियों ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से गौरव गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे गंगा चरण अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मौके से एक ऑटो कब्जे में लिया। एसपी सिटी मानुष पारिक ने बताया कि होटल से निकलने के बाद ही विवाद हुआ था। आरोप है कि बिहारी सोनकर ने गौरव पर गोली चलाई। मृतक के पिता की तहरीर पर नैतिक सोनकर, बिहारी सोनकर, ऑटो चालक अनस, राजा, अभय, शेखर, समीर, चंदन समेत कुछ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है और बाकी की तलाश की जा रही है।

श्री मती रामश्री देवी नगाइच महिला कल्याण समिति (रजि.) के तत्वाधान मे छात्रा ओ का सम्मान किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / दशम एवं द्वादश की टॉप छात्राओ को दी पांच पांच हजार रूपये की सम्मान राशि कोंच(जालौन) स्थानीय गल्ला मंडी स्थित शैक्षणिक संस्था सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मे श्री मती रामश्री देवी नगाइच महिला कल्याण समिति की अध्यक्ष श्री मती प्रभा नगाइच प्रबंधक कांती पलया कोषाध्यक्ष डॉ निधि नगाइच पत्नी डा अभिषेक नगाइच हड्डी रोग विशेषज्ञ झांसी एवं समिति के संचालक शैलेन्द्र नगाइच (ढप्पू एल आई सी अभिकर्ता ने वोर्ड परीक्षा 2025 मे द्वादश मे नगर टॉप छात्रा राशि तिवारी एवम् दशमी मे विद्यालय टॉप मान्या मिश्रा को पांच पांच हजार रूपये की चैक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया समाज सेविका प्रभा नगाइच कोंच नगर पालिका परिषद की अधिशाषी अधिकारी मोनिका उमराव के साथ विद्यालय की प्रधानाचार्या आभा तिवारी ने सयुक्त रूप से छात्राओ को सम्मानित किया एवं समिति के संचालक शैलेन्द्र नगाइच ने कहा की हर वर्ष यह समिति छात्राओ को सम्मानित करेंगी। इस अबसर पर शिशु कल्याण समिति की सदस्य डॉ नीता रेजा कृष्णा झा संतोषी सिंह के साथ विद्यालय के प्रभारी नरेंद्र सिंह, विवेक तिवारी, शैलेन्द्र यादव, पंकज बाजपेई, आनंद भरजद्वाज, मनीष अग्रवाल, सरला मिश्रा, सरोज खरे, नीतू गर्ग वंदना अवस्थी, रंजना तिवारी,आकांक्षा सिंह, दिव्या मिश्रा, रौली मिश्रा, ज्योति गुप्ता,तान्या व्यास शिवानी सिंह अनिकेत सिंह रवि शंकर, जितेंद्र पाल, सतीश पाण्डेय, मृदुल दुबे, विनीत खरे सहित समस्त बिद्यालय परिवार मौजूद रहा ।

जिलाधिकारी ने आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार / कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न होने के कारण जनपद की रैंकिंग प्रभावित हो रही है, ऐसे में अधिकारी स्वयं पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का अवलोकन कर समयबद्ध व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण तिवारी द्वारा समयबद्ध निस्तारण न करने पर शिकायत डिफाल्टर हो जाने के कारण प्रतिकूल प्रविष्टि दर्ज कर दी।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के उपरांत शिकायतकर्ता से फोन पर वार्ता कर उसकी संतुष्टि की पुष्टि अवश्य की जाए। जिस मोबाइल नंबर से शिकायतकर्ता से बातचीत की जाए, उसे समय और तिथि सहित पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक योगेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

राशन की कालाबाज़ारी, गरीबों का अनाज सस्ते में खरीद रहे व्यापारी

सरकारी योजना पर चोट, परिवारों पर भूखमरी का संकट

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाष नगर क्षेत्र के बदायूं रोड स्थित सरकारी राशन वितरण केंद्रों के बाहर खुलेआम कालाबाज़ारी का गोरखधंधा फल-फूल रहा है। आरोप है कि कुछ लोगों ने बाकायदा चावल और गेहूँ खरीदने के लिए फड़ (अवैध खरीद-बिक्री का ठिकाना) बना रखा है। रोज़ाना कई बिचौलिए गरीबों को नक़दी का ला च देकर उनका सरकारी अनाज औने-पौने दामों पर खरीद लेते हैं। गरीबों का हक़ छिन रहा, परिवारों पर भूख का खतरा स्थानीय निवासियों के अनुसार गरीब लोग घंटों लाइन में लगकर जैसे-तैसे सरकारी कोटे से अनाज प्राप्त करते हैं, लेकिन घर लौटने से पहले ही नक़दी के प्रलोभन में वही अनाज बेच देते हैं। नतीजतन परिवार का राशन खत्म हो जाता है और लोग भूखमरी की कगार पर पहुँच जाते हैं। अवैध तराज़ू और खुलेआम खरीद-फरोख्त बदायूं रोड के लाल मंदिर के आसपास कई जगहों पर अवैध तराज़ू लेकर लोग खुलेआम बैठे दिखाई देते हैं। ये बिचौलिए बेहद सस्ती दर पर गेहूँ-चावल खरीदकर मोटा मुनाफ़ा कमाते हैं, जबकि सरकार यह अनाज गरीबों के घर के चूल्हे तक पहुँचाने के लिए देती है। प्रशासन की चुप्पी पर सवाल इलाके के लोगों का आरोप है कि जिला प्रशासन और पूर्ति विभाग पूरी तरह लापरवाह है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद अब तक न तो छापेमारी हुई है और न ही अवैध कारोबारियों पर कोई कार्रवाई। जनता की मांग - तत्काल छापेमारी स्थानीय नागरिकों ने जिला अधिकारी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि कंट्रोल दुकानों के बाहर बैठे इन अवैध खरीददारों पर तुरंत छापेमारी कर सख्त सज़ा दी जाए, ताकि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में गरीबों तक पहुँच सके।

रोहिलखंड सीमेंट मर्चेंट एसोसिएशन का गठन, पारदर्शिता और सुरक्षा को मिली प्राथमिकता

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीमेंट कारोबारियों ने एकजुट होकर रोहिलखंड सीमेंट मर्चेंट एसोसिएशन का गठन किया। संस्कृति हाल, रामगंगा कॉलोनी में आयोजित भव्य समारोह में संस्था की औपचारिक घोषणा की गई। इस कदम को क्षेत्र के सीमेंट कारोबार में पारदर्शिता, सुरक्षा और व्यापारिक एकता की नई शुरुआत माना जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता हरप्रीत सिंह खालसा ने की और मार्गदर्शन विधायक संजीव अग्रवाल ने दिया। वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी आलोक अग्रवाल को सौंपी गई, जबकि संगठन के संचालन की जिम्मेदारी महासचिव विकास खंडेलवाल निभाएंगे। प्रशासनिक अधिकारी आशु अग्रवाल तायल सहित सभी पदाधिकारियों ने मिलकर संस्था के उद्देश्यों को साझा किया। संस्था के मुख्य उद्देश्य सीमेंट व्यापार को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाना। भुगतान की समय-सीमा और डिलीवरी प्रक्रिया के लिए स्पष्ट नियम तय करना। डिजिटल माध्यम से सूचना आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। व्यापारियों के हितों की रक्षा और विवाद निपटान के लिए मंच उपलब्ध कराना। आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी समस्याओं का समाधान और नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम। संस्था ने स्पष्ट किया कि अनुचित व्यापारिक प्रथाओं और डिफॉल्टर पार्टियों पर सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा नियमित बैठकें, नेटवर्किंग इवेंट और बाजार विस्तार के साथ तकनीकी नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। महासचिव विकास खंडेलवाल ने सभी व्यापारियों और मीडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा, सभी साथियों के सहयोग से यह संगठन सीमेंट कारोबार को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस अवसर पर अनुराग अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, अवदेश अग्रवाल, अंकुर खंडेलवाल, अर्पित अग्रवाल, मोहित अग्रवाल सहित कई प्रमुख व्यापारी मौजूद रहे और संगठन को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। विधायक संजिव अग्रवाल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य सीमेंट की सप्लाई को पारदर्शिता और सुचिता के साथ संचालित करना है, ताकि व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों और ट्रक ऑपरेटरों के हित सुरक्षित रहें। उन्होंने जोर दिया कि पारदर्शी व्यवस्था से पूंजी का संतुलन बना रहेगा और किसी व्यापारी की पूंजी में अनावश्यक कमी नहीं होगी। पूंजी में गड़बड़ी करने वाले को व्यापार में टिकना कठिन होगा। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों ने क्षेत्र के सीमेंट कारोबार को संगठित कर एक मजबूत मंच देने का संकल्प दोहराया।

पीलीभीत केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र प्रसाद के नाम से लकड़ी माफिया ने पत्रकारों से की अभद्रता

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार/ एक तरफ सरकार जहाँ वृक्षारोपण के लिए आम जनता को प्रेरित कर रही है वही जिम्मेदारों द्वारा लकड़ी माफियाओं से मिली भगत करके हरे भरे वृक्षों पर आरा चलवा दिया जा रहा है। वही लकड़ी माफिया द्वारा वन अफसरों के सामने अपने दबंगई के चलते मीडियाकर्मियों से गाली गलौज एवं अभद्रता कि गई और वही वन दरोगा लकड़ी माफिया को मंत्रीजी का खास बता रही है। मामला विकासखंड अमरिया के ग्राम भिखारीपुर का है जहां लकड़ी माफियाओं द्वारा दिनदहाड़े हरे भरे आम के बाग पर आरा चला दिया गया। वही लकड़ी माफिया खुद को मंत्री जी का खास बताकर मीडिया कर्मियों से गली गलौज एवं मारपीट पर उतारू हो गया। इस संबंध में जब क्षेत्र के वन दरोगा से बात की गई तो उन्होंने भी इस ठेकेदार को मंत्री जी का खास बात कर कार्यवाही करने से कन्नी काटती हुई दिखी। सूचना पर उपप्रभागीय वन अधिकारी पीलीभीत ने तत्काल मौके पर वन अधिकारियों की टीम को भेजा। लेकिन वन विभाग की टीम मंत्रीजी खास ठेकेदार के रसूख के आगे बौने नजर आये। उप प्रभागीय वन अधिकारी पीलीभीत ने कल सुबह मीडिया कर्मियों को लकड़ी माफिया के खिलाफ कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या इन रसूखदारो के आगे प्रशासन भी नतमस्तक है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अग्निशमन अधिकारियों ने पटाखों की दुकानों का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आंवला के देवचरा क्षेत्र में गुरुवार को अग्नि शमन अधिकारी संजीव कुमार द्वितीय व अग्नि शमन अधिकारी सचिन कुमार ने गुरुवार को अपने अधीनस्थों के साथ देवचरा क्षेत्र में पटाखें की दुकानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कस्बा देवचरा के कश्यप ट्रेडर्स, मॉर्डन आतिशबाजी आदि की दुकानो को चेक किया तो उनके लाइसेंस के मुताबिक ही सामान मिला। उनका रखरखाव भी ठीक पाया गया । निरीक्षण के दौरान अधीकरियों ने बताया की अधिक तेज आवाज बाले नही बेचे जाएंगे।

चाकू मारकर युवक की हत्या, तीन पर रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बहेड़ी थाना क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसका पेट चाकू से फाड़ दिया और भाग गए। पुलिस ने मृतक के परिजन की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। घटना की जांच कर रही है। बहेड़ी के मोहल्ला नूरी नगर निवासी अनवर के बेटे जलीस की बुधवार रात मधुर मिलन बैंक्विट हॉल में शादी थी, जिसमें मोहल्ले के ही शानू उर्फ शोएब का पूरा परिवार शामिल हुआ था। उसके भाई जुल्फिकार ने बताया कि शादी समारोह में शानू और मोहल्ले के ही जुनैद के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। मृतक के भाई जुल्फिकार ने आरोपी जुनैद, शकील और सगीर पुत्रगण कदीर अहमद निवासी मोहल्ला नूरीनगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर ने बताया कि शादी में किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी हो गई थी। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक के भाई तहरीर पर तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विधुत विभाग के संविदाकर्मियों ने बिजली बिल को लेकर महिलाओं से की अभद्रता

क्यूँ न लिखूँ सच/ विधुत विभाग के संविदाकर्मियों द्वारा बिजली बिल को लेकर घर में घुसकर महिला से अभद्रता करने और लाइट काटने का मामला सामने आया है। अमरिया कस्बा निवासी वीरेन्दर कुमार गंगवार ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की शिकायत में बताया की 9 सितंबर को जब वीरेन्दर घर पर नही थे। तब विधुत उपखंड अमरिया के कुछ कर्मचारियों अखलेश पंडित पुत्र रामचंद्र, राजीव पुत्र रामकिशन, सुखलाल और इंद्रपाल ने वीरेन्दर के घर पहुँच कर घर की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया और उनके घर की लाइट काट दी। जबकि उनके घर का मीटर पिछले आठ महीनों से खराब था, जिसके लिए वीरेन्दर ने एक शिकायती प्रार्थना पत्र विधुत अधिशासी अभियंता अमरिया को दिया था। वीरेन्दर कुमार गंगवार ने बताया की उनके कस्बा अमरिया में दो घर है। जिसमें उनके घर का मीटर 15 दिन पहले बदला गया है। जब उन्होंने विधुतकर्मियों से मीटर बदलने की रशीद की मांग की तो उन्हें अब तक मीटर की रशीद नहीं दी गई। जबकि उनके दुसरे मीटर का बिल पिछले 5 महीनों से नहीं निकला है। उपरोक्त विधुतकर्मियों ने उनके घर में जबरन घुसकर घर की महिलाओं के साथ अभद्रता कर उनके घर की बिजली काट दी। वीरेन्दर ने बताया की अखलेश पंडित ने उनकी पत्नी से रुपयों की मांग की।

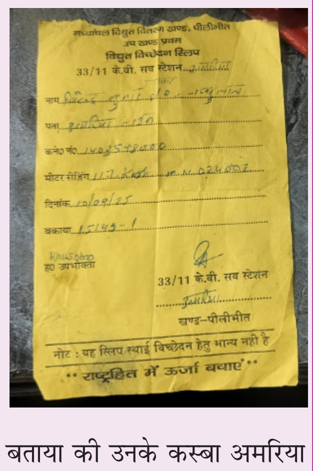

राजस्व वसूली में लापरवाही पर जिलाधिकारी सख्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की प्रगति का विस्तृत समीक्षा बैठक कर सम्बंधित अधिकारियों को आवशयक दिशा निर्देश दिए। बैठक में आबकारी, परिवहन, विद्युत, खनन, स्टांप, नगर निकाय और वाणिज्यकर विभाग की राजस्व वसूली लक्ष्य के सापेक्ष कम पाई गई। इस पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए ।लक्ष्य की सापेक्ष प्रगति न लाने वाले अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश

दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी राजस्व वसूली कार्यों में रुचि और जिम्मेदारी के साथ काम करें। समीक्षा में यह भी पाया गया कि स्टांप, परिवहन और आबकारी विभाग द्वारा वसूली तो की गई, लेकिन पोर्टल पर अपलोड नहीं की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और कार्य प्रणाली में तत्काल सुधार लाने को कहा। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों को पाँच वर्ष और तीन वर्ष पुराने राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धारा 34 एवं 116 के वाद पेंडिंग न रहें, इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएं। साथ ही, उन्होंने सरकारी भूमि, तालाब, चारागाह और अन्य संपत्तियों पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कठोर अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध कब्जों की शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खतौनी पटल पर हेल्पलाइन नंबर एवं आवश्यक जानकारियां अंकित कराई जाएं, जिससे आमजन को त्वरित सुविधा मिल सके।जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के विकास कार्यों को गति देने और शासन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी विभाग पारदर्शिता, तत्परता और उत्तरदायित्व की भावना से कार्य करें। उन्होंने चेतावनी दी कि लक्ष्यों की प्राप्ति में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक योगेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी नेहा ब्याडवाल सहित सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

132 मेधावी छात्र-छात्राओं को मिली स्कूटी, शिवपुरी में हुआ राज्य स्तरीय वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी। शिवपुरी जिले के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 में गुरुवार को राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री निःशुल्क स्कूटी प्रदाय योजना के अंतर्गत स्कूटी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, कलेक्टर रविन्द्र कुमार

चौधरी, सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता, हरवीर रघुवंशी, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि जसमंत जाटव ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार शिक्षा के प्रति संवेदनशील हैं और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु कई योजनाएं संचालित कर रही हैं। निःशुल्क स्कूटी प्रदाय योजना से मेधावी छात्र-छात्राओं को नई उड़ान मिल रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने भी विद्यार्थियों को देश का भविष्य बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में शिवपुरी जिले के 11 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतीक स्वरूप स्कूटी की चाबी भेंट की गई। जिले के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 132 विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित की गई। इस अवसर पर भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मुख्य समारोह का भी सीधा प्रसारण देखा गया, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने इस दौरान शासकीय विद्यालयों की 20 लाख से अधिक बालिकाओं के लिए सेनिटेशन एवं हाइजीन योजना अंतर्गत ?61 करोड़ से अधिक की राशि का अंतरण भी किया।

किसानों की समस्याओं पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का हल्ला बोल

क्यूँ न लिखूँ सच/ फर्जी पट्टों का खुलासा, बच्चों का भविष्य अंधकार में, पटवारी पर रिश्वत और भेदभाव के आरोप एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं हुई तो बिहारपुर तहसील मुख्यालय का घेराव करेगी पार्टी चासूरजपुर। बिहारपुर समस्याओं को लेकर गोंडवाना खिलाफ हल्ला बोल दिया। पार्टी नाम तहसीलदार को ज्ञापन समस्याओं का निराकरण नहीं कर उग्र आंदोलन किया जाएगा। ही जगह जमे ज्ञापन में सबसे राम पैकरा पर लगाया गया। में करीब 5 साल से लगातार एक में जानबूझकर अड़चन डालते हैं। लेने के बावजूद 10 माह बाद भी नहीं ले पा रहे और खेती संकट यहां से हटाया जाए और नए भविष्य दांव पर तहसीलदार द्वारा मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया गया। पास होने के बावजूद प्रमाण पत्र भविष्य अधर में लटका है। न तो

तहसील में किसानों और ग्रामीणों की गंभीर गणतंत्र पार्टी ने सोमवार को प्रशासन के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने कलेक्टर के सौंपकर चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह में किया गया तो तहसील मुख्यालय का घेराव पटवारी पर गंभीर आरोप – 5 साल से एक बड़ा आरोप हल्का नंबर 09 के पटवारी भारत ग्रामीणों ने बताया कि वह चांदनी बिहारपुर ही स्थान पर पदस्थ हैं और किसानों के काम वन भूमि ऋण पुस्तिका किसानों से दस्तावेज नहीं बनाई गई, जिससे किसान बैंक से कर्ज में है। ग्रामीणों ने मांग की है कि उन्हें तत्काल पटवारी की पदस्थापना की जाए। बच्चों का जाति प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर न करने का ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत प्रस्ताव जारी नहीं हो रहा, जिससे सैकड़ों बच्चों का वे प्रवेश ले पा रहे हैं और न ही छात्रवृत्ति का लाभ मिल रहा है। रिश्वत और मारपीट का मामला हल्का नंबर 04 के पटवारी रितुराज टेकाम पर गंभीर आरोप लगाए गए। ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने ग्राम पासल निवासी आवेदक से ऑनलाइन काम कराने के लिए 2000 रुपये लिए और पैसे मांगने पर गाली-गलौज व मारपीट की। पार्टी ने मांग की है कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर तुरंत निलंबन और कानूनी कार्रवाई की जाए। आंदोलन की चेतावनी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कहा है कि यदि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे चुप नहीं बैठेंगे। एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं होने पर तहसील बिहारपुर का घेराव कर उग्र आंदोलन होगा और इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

सांसद की अध्यक्षता में दिशा की बैठक संपन्न, केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर की समीक्षा।

किसानों को उन्नत कृषि से जोड़ने के लिए कृषि विभाग गोष्ठियों का कराए आयोजन, आधुनिक कृषि तकनीकों की दें जानकारी। एनएचएआई द्वारा हाइवे पर सुविधाओं की अनदेखी पर सांसद ने जताई नाराजगी। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सर्किट हाउस के सभागार में मा. सांसद कुंवरानी रुचि वीरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, आईसीडीएस, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पशुपालन, डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मध्याह्न भोजन योजना, समग्र शिक्षा, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, सुगम्य भारत अभियान, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, खेलो इंडिया, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, ई-श्रम पोर्टल, मनरेगा, तीर्थ यात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तृत समीक्षा की।स्वयं सहायता समूहों के गठन के बारे में डीसी एनआरएलएम ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत इस वर्ष 3826 का लक्ष्य शासन द्वारा निर्धारित है। 1564 समूहों का गठन हो चुका है और शेष लक्ष्य मार्च 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। समूहों को सक्रिय करके उन्हें रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सांसद ने कहा कि समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने और बिक्री कराने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जाएं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि दिवाली एवं अन्य महत्वपूर्ण त्योहारों के अवसर पर स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए मेले आयोजित हों। सांसद ने कहा कि उत्पादों की बिक्री के लिए मौका और मार्केट मुहैया कराना बहुत जरूरी हैं। धरातल पर योजनाओं का पूरी पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अधिकतर लोग स्थाई रूप से सेवायोजित नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए उन्हें प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण को और अधिक बेहतर बनाया जाए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्धारित मानकों के अनुसार न्यूनतम 500 की आबादी वाले गांवों को सड़कों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संभवत: कोई ऐसा गांव नहीं है जो 500 की आबादी वाला हो और सड़क से न जुड़ा हो, इसलिए उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि विभाग को इन मानकों पर पुनर्विचार करने के लिए पत्राचार करें। निराश्रित महिला पेंशन के तहत इस वर्ष 2641 नवीन पेंशन लाभार्थियों का चिन्हीकरण हुआ है। उप निदेशक कृषि ने बताया कि जिले की मृदा में नाइट्रोजन और जैविक तत्वों की कमी पाई गई है, सांसद ने कहा कि किसानों के लिए स्थानीय, विकास खंड या जिला स्तर पर गोष्ठियों का आयोजन करके उन्हें योजनाओं और मृदा की देखभाल सहित कृषि से जुड़ी उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दें। साठा धान को यदि प्रतिबंधित किया गया है तो समय से किसानों को इस फसल के नुकसान और प्रतिबंधों के बारे में जानकारी दे दी जाए। फसल नुकसान की स्थिति का आकलन कराते हुए किसानों को मुआवजा की धनराशि समय से मिल जाए। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत 990 के सापेक्ष 988 गांवों का ड्रोन सर्वे हो चुका है। एनसीएपी के तहत वर्ष 2024- 25 और 2025-26 के अंतर्गत सड़कों के निर्माण, टेंडर, अनुरक्षण कार्यों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट भेजने के लिए अपर नगर आयुक्त नगर निगम मुरादाबाद को निर्देश दिए। अप्रैल 2025 से अब तक बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 33 कार्यक्रमों के आयोजन होने की रिपोर्ट पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि भविष्य में आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में महिला जनप्रतिनिधियों और महिला अधिकारियों की भागीदारी कराई जाए ताकि जागरूकता कार्यक्रम सार्थक हो सकें। सांसद ने कहा कि प्रचार प्रसार पर विशेष जोर दिया जाए। उन्होंने जिला चिकित्सालय सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सकों की कमी हो पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में पूंछा, जिस पर सीएमओ ने बताया कि डॉक्टरों के चयन के लिए 15 सितंबर को इंटरव्यू किया जाएगा। बैठक में विधान परिषद सदस्य श्री जयपाल सिंह व्यस्त ने जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना का मुद्दा उठाया, जिसपर सांसद ने कहा कि जिलाधिकारी और सीएमओ सभी मानकों की पूर्ति कराते हुए प्रस्ताव भेजें। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें ताकि प्राथमिक उपचार प्रदान करने में कोई दिक्कत न रहे। सांसद ने कहा कि भारी टोल वसूली के बावजूद भी नेशनल हाइवे पर कोई सुविधा नहीं है। उन्होंने जगह जगह जलभराव और अनाधिकृत कट होने की वजह से हो रही दिक्कतों पर नाराजगी जताई और कहा कि इसके लिए जिम्मेदार कार्यदाई संस्था ब्लैकलिस्ट होनी चाहिए। जलभराव की समस्या के समाधान को लेकर एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि पंपिंग सेट के माध्यम से पानी निकलवा दिया जाता है, जिस पर सांसद ने नाराजगी जताई और कहा कि यह मानकों के विपरीत है और वे इस लापरवाही को लेकर मा. केंद्रीय मंत्री को भी जानकारी दी जाएगी। सांसद ने क्रीड़ा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे जिले में शूटिंग रेंज की स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार करके शासन को भेजें। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी द्वारा बारिश और बाद के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों के प्रस्ताव सभी जनप्रतिनिधियों से ले लिए जाएं।पाइपलाइन के माध्यम से गैस आपूर्ति के लिए बिछाई जा रही लाइन के लिए मानकों का सत्यापन करा लिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

शिवराज सिंह चौहान जी से सौहार्दपूर्ण भेंट की एवं पीलीभीत में किसानों की स्थिति के संदर्भ में वार्ता की

क्यूँ न लिखूँ सच/ मोहम्मद सलीम/ पीलीभीत बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, आदरणीय श्री

शिवराज सिंह चौहान जी से सौहार्दपूर्ण भेंट की एवं पीलीभीत में किसानों की स्थिति के संदर्भ में वार्ता की। साथ ही भारी बारिश एवं बाढ़ के कारण किसानों को हुए आर्थिक नुकसान से अवगत कराया। पीलीभीत के किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने हेतु कृषि की उन्नत एवं आधुनिक तकनीकी , जैविक कृषि का प्रयोग कर गुणवत्ता में सुधार, आधुनिक सिंचाई प्रणालियों आदि सभी मुख्य बिंदुओं को ध्यान में रखते हुये विस्तृत चर्चा की। माननीय केंद्रीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही उक्त विषयों पर आधारित परियोजना की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

नदीगांव पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के थानाध्यक्ष शशि कांत सिंह चौहान के निर्देश पर उनकी पुलिस टीम ने वांछित/वारण्टी

अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान चलाया है जिसमें वारण्टी अभियुक्त मोहर सिंह पुत्र कालका परिहार उम्र करीब 62 वर्ष निवासी ग्राम तजपुरा थाना नदीगांव को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी है ।

निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार शर्मा को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर प्रोन्नत

क्यूँ न लिखूँ सच/ शैलेंद्र कुमार पांडेय / निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार शर्मा को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर प्रोन्नत होने के अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा बैच व स्टार

लगाकर सम्मानित किया गया।आज दिनांक 11.09.2025 पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय द्वारा निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार शर्मा के पुलिस उपाधीक्षक पद पर प्रोन्नत होने के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में स्टार व बैच लगाकर उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, श्री रामानंद कुशवाहा तथा पुलिस कार्यालय में नियुक्त अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा प्रोन्नत अधिकारी को शुभकामनाएं दी गई।

रीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा सामान्य धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित

जिला खाद्य विपणन अधिकारी विनीता मिश्रा ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा सामान्य धान के लिए रुपये 2369 प्रति क्विंटल एवं ग्रेड-ए धान के लिए रुपये 2389 प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) घोषित किया गया है। इसके अन्तर्गत जनपद में दिनांक 01 अक्टूबर 2025 से धान क्रय केन्द्रों का संचालन प्रारम्भ किया जायेगा और 47 धान क्रय केन्द्र खोले गये है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा जनपद में स्थित क्रय केन्द्रों पर कृषकों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान क्रय की व्यापक व्यवस्था की जा रही है। किसानों को योजना से जोड़ने तथा लाभप्रद मूल्य दिलाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा प्रचार-प्रसार एवं जागरुकता अभियान प्रारम्भ किया जा रहा है। किसान राजकीय क्रय केन्द्रों पर धान विक्रय हेतु पंजीकरण खाद्य विभाग की वेबसाइट https://fcs.up.gov.in पर सकते हैं। यह पंजीयन कृषकगण किसी जनसुविधा केन्द्र, धान क्रय केन्द्र, किसान मित्र ऐप व स्वयं खाद्य विभाग के पोर्टल पर आधार कार्ड व खतौनी के माध्यम से कर सकते है। पंजीयन किए जाने के उपरान्त इस पंजीयन का सत्यापन संबंधित तहसील स्तर से किया जायेगा। सत्यापन उपरान्त कृषक अपना धान सुविधानुसार किसी भी सरकारी क्रय केन्द्र पर विक्रय कर सकते है।

दियापुरा आश्रय गृह में भ्रष्टाचार का खुलासा

गरीबों से अवैध वसूली और मनमानी का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/नीरज कुमार/ झाँसी, ददियापुरा। गरीब और बेघर लोगों को सहारा देने के लिए चलाए जा रहे आश्रय गृह में भ्रष्टाचार और मनमानी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ददियापुरा स्थित नगर निगम आश्रय गृह के एक कर्मचारी पर आरोप है कि उसने रात में ठहरने आए एक दंपति को कमरे देने से मना कर दिया और ?500 रिश्वत की माँग की। पीड़ित दंपति के अनुसार पति के पास आधार कार्ड और पत्नी के पास वकालत का रजिस्ट्रेशन कार्ड मौजूद था। इसके बावजूद ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ने बहाना बनाते हुए कहा कि पत्नी का आधार कार्ड लाओ, नहीं तो कमरा नहीं मिलेगा। इसके बाद उसने खुलेआम कमरे के लिए पाँच सौ रुपये की माँग कर दी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह घटना पहली बार नहीं है। लंबे समय से आश्रय गृह में धन उगाही और मनमानी की शिकायतें उठती रही हैं। शासन द्वारा संचालित पंडित दीनदयाल अन्त्योदय योजना के तहत आश्रय गृहों में जरूरतमंदों को निःशुल्क रहने और भोजन की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। मगर वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। यहाँ गरीबों को मदद की जगह शोषण और अवैध वसूली का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने नगर निगम प्रशासन और जिला प्रशासन से माँग की है कि इस गंभीर प्रकरण की जाँच कर दोषी कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि आश्रय गृह वास्तव में गरीबों और जरूरतमंदों के लिए सहारा बने, न कि भ्रष्टाचार और लूट का अड्डा। यह घटना प्रशासनिक लापरवाही और योजनाओं के सही क्रियान्वयन पर सवाल खड़े करती है। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो ऐसे आश्रय गृह गरीबों की मददगार बनने के बजाय उनके शोषण का माध्यम बनते रहेंगे।

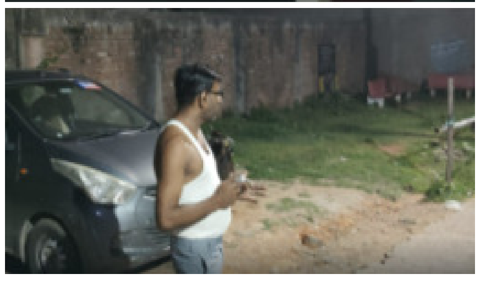

भाजपा जिला कार्यालय मुंडेर पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिला कार्यशाला में एक सभा का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली - भाजपा जिला कार्यालय मडेट पर सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत जिला कार्य शाला में एक सभा का एक आयोजन किया गया जिला कार्य शाला में अनेक मुद्दों को लेकर चर्चा की गई इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्री विकास अग्रवाल जी,?? प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मोहित बेनीवाल जी, भूपेंद्र शर्मा जी, पंकज राणा जी, श्री पुनीत द्विवेदी जी, रमेश गोंड कश्यप जी, श्री वीरेन्द्र चौहान जी, नरेंद्र कश्यप जी, श्री हरबीर मलिक जी, श्री सतेंद्र तोमर जी, श्री पवन तराए जी, श्री वैभव संगल जी, श्री रूबी चौधरी जी, श्री सुधा तोमर, श्री पायल कश्यप जी, श्री संगीता जिन्दल जी, सुनीता आर्य जी, श्री कुसुम लता पाल जी,? श्री पीयूष सैनी जी, श्री सोनू चावला जी, श्री राम जी लाल कश्यप जी, श्री विवेक प्रेमी? जी, श्री सतीश धीमान जी,श्री पारस बंसल जी में काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कांधला थाना प्रभारी की दबंग कार्यवाही अपराधियों की टूटी कमर, जनता बोली: अब कानून का राज

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ कांधला शामली थाना प्रभारी निरक्षक की सखूत कार्यशैली ने कस्बे और क्षेत्र में अपराधियों की धराशायी कर दी है। पुलिस के लगातार चलाए जा रहे अभियानों ने अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं। कस्बे में अब अपराधियों का नाम सुनते ही जनता कहती है कि यहाँ पुलिस का राज है, अपराधियों की नहीं।कांधला पुलिस बनी अपराधियों की दुश्मन नशा कारोबार, चोरी, छेड़छाड़ और लूट जैसे अपराधों पर कांधला पुलिस ने लोहे की तरह शिकंजा कसा है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में लगातार दबिशें दी जा रही हैं, जिसके चलते कई नामचीन अपराधी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं, जबकि बाकी अपराधी थाने के नाम से ही कांप रहे हैं। जनता का भरोसा अब हम सुरक्षित हैंथाना प्रभारी की सक्रियता ने जनता में सुरक्षा का भाव बढ़ाया है।लोगों ने कहा-अब रात को भी निश्चित होकर निकल सकते हैं।कांधला पुलिस ने जनता का विश्वास लौटा दिया है।अपराधियों का खौफ अब नहीं, सिर्फ कानून का राज है।थाना प्रभारी का सखूत संदेश थाना प्रभारी ने साफ कहा है कि कस्बे में अपराध करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। कानून से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

बाबा साहब आम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2025-26 में साक्षात्कार हेतु लाभार्थी 30 सितम्बर तक करें आवेदन

जिला विकास अधिकारी ने बताया कि बाबा साहब आम्बेडकर रोजगार प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2025-26 में साक्षात्कार के माध्यम से लाभार्थियों के चयन हेतु इच्छुक लाभार्थी अपना आवेदन पत्र मय दस्तावेजों के अपने-अपने विकास खण्ड में दिनांक 30 सितम्बर 2025 तक जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि लाभार्थी के चयन हेतु न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा अधिकतम 65 वर्ष होनी चाहिए। योजना के अन्तर्गत ग्रामीण अंचल के दृष्टिकोण से व्यक्तिगण ऋण आवेदन पत्र ही स्वीकार किए जाएंगे। योजना के अन्तर्गत उन्हीं लाभार्थियों को ऋण प्रदान किया जायेगा, जिनके परिवार की समस्त स्त्रोतो से वार्षिक आय 2 लाख से अधिक न हो। प्रार्थना पत्र स्वीकार करने में अनुसूचित जाति/जनजाति तथा परित्यक्ता एवं विधवा महिला को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन पत्र हार्डकापी में व्यक्तिगत रुप से तथा पंजीकृत डाक से संबंधित विकास खण्ड कार्यालय में निर्धारित अवधि में जमा किए जाएंगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

टूलेन सड़क की पटरियों ने लिया घने जंगल का रूप

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती के इंडो नेपाल बार्डर भारतीय। सीमा की सड़क की पटरियां जिम्मेदारों की देखरेख के अभाव में जंगल के रूप में फैलती जा रही है। सीमा सुरक्षा व सीमा पर तैनात जवानों के पेट्रोलिंग को लेकर बनी सड़क जो अतिक्रमण के साथ साथ सड़क की दोनों पटरियों पर विभिन्न प्रकार के खर पतवार, नेरकुल प्रजाति की बड़ी बड़ी झाड़ियां, घने पत्तियों वाले जंगली पेड़ों के उगने से वाहन चालकों, आम राहगीरों के सामने मुसीबत बनी हुई है। फिर भी विभागीय जिम्मेदार अधिकारी अनजान बने हुए है। भारतीय सीमा की लगभग 6 किलोमीटर सड़क जो जमुनहा बाजार बूढ़ी राप्ती नदी के तिरकुनी घाट से कलकलवा तीघरवा मोड़, कोदिया गांव से बेलरी व सागर गांव के बीच सड़क की दोनों पटरियों पर ऊंची घनी झाड़ियां पूरी तरह अपना कब्जा जमाए हुए है। इस संबंध में जब राहगीरों वाहन चालकों से पूंछा गया तो बताया कि झाड़ियां के उगने से वाहनों को मोड़ते समय कई बार बड़ी-बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी है।

श्रावस्ती पुलिस द्वारा साइबर अपराधों से बचाव हेतु जागरूकता सेमिनार का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम के पर्यवेक्षण में जनप श्रावस्ती में साइबर अपराध फ्रॉड के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम मे थानाध्यक्ष विनय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में थाना गिलौला पुलिस टीम द्वारा प्रेम कुमार शुक्ला इंटर कॉलेज एकघरवा थाना गिलौला में साइबर सुरक्षा जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग धोखाधड़ी, पासवर्ड ओटीपी साझा न करने, फर्जी कॉल, लिंक एवं फत् कोड स्कैम से बचाव संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। तथा साइबर अपराध होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा www. cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करने की विस्तृत प्रक्रिया बताई गई। आयोजित सेमिनार में लगभग 260 छात्र-छात्राएँ एवं शिक्षकगण ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने इस अभियान को अत्यंत उपयोगी बताते हुए साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। जनपद श्रावस्ती पुलिस का यह अभियान निरंतर जारी है और भविष्य में भी अधिक से अधिक स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

समर्थ उत्तर प्रदेश -विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान के अंतर्गत दूसरे दिन कलेक्ट्रेट में हुआ संवाद कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शाली समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान आपका सुझाव, लाएगा बदलाव के अन्तर्गत महिला संगठन/श्रमिक संगठन/स्वयंसेवी संगठन/ख्याति प्राप्त बुद्धिजीवियों/मीडिया/विभिन्न सेक्टर एवं आम जनमानस के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन शासन द्वारा नामित श्री महेश चन्द्र, सेवानिवृत्त आईएएस, श्री शैलेन्द्र,सेवानिवृत्त आईआरटीएस, श्री नरेश कुमार मलिक, सेवानिवृत्त पूर्व प्रधानाचार्य, सर छोटूराम डिग्री कॉलेज,शिक्षा विभाग, डा0 संदीप चौधरी, कार्यरत प्रधानाध्यापक, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ,की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर महिला संगठन/श्रमिक संगठन/स्वयंसेवी संगठन/ ख्याति प्राप्त बुद्धिजीवियों/मीडिया/ आमजन मानस के साथ संवाद/सुझाव को लेकर चर्चा परिचर्चा हुई और सभी ने अपनी आकांक्षाओं को सामने रखा। कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों श्री महेश चन्द्र, श्री शैलेन्द्र, श्री नरेश कुमार मलिक,डॉ संदीप चौधरी द्वारा समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 कार्यक्रम के उद्देश्य, दृष्टिकोण,रोडमैप पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। 2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इस मिशन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक समृद्ध,समान और वैश्विक स्तर पर सम्मानित राज्य का निर्माण किया जाएगा।इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवम पथ प्रदर्शन हेतु एक विजन डॉक्यूमेंट बनाया जाना प्रस्तावित है। यह विजन तीन थीम अर्थ शक्ति,सृजन शक्ति,जीवन शक्ति एवम बारह सेक्टर कृषि, एवम संबद्ध, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटीआई एवम इमर्जिंग प्रौद्योगिकी, पर्यटन, नगर एवम ग्राम्य विकास,अवस्थापना, संतुलित विकास,समाज कल्याण, स्वास्थ्य,शिक्षा तथा सुरक्षा एवम सुशासन पर ध्यान केंद्रित करते हुए तैयार किया जाएगा। उत्कृष्ट सुझावों को प्रबुद्धजनों द्वारा जिला प्रशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश शासन को प्रेषित किया जाएगा। संवाद सत्र के दौरान मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताया कि समर्थ उत्तर प्रदेश -विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान का उद्देश्य जनमानस में जागरूकता उत्पन्न करना तथा नागरिकों की आकांक्षाओं को संज्ञान में लेते हुए प्रदेश के नागरिकों को राज्य के विकास में सहयोगी व सहभागी बनाते हुए गर्व की भावना विकसित करना है। इस अवसर पर, डीएफओ जगदेव सिंह, सीएमओ डॉ अनिल कुमार, पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द, डीपीआरओ संदीप अग्रवाल, जिला एवं अर्थ संख्या अधिकारी ज्योति प्रजापति, सहायक श्रमायुक्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित आदि मौजूद रहें। कार्यक्रम के उपरांत जिला प्रशासन ने शासन से नामित सभी प्रबुद्धजनों को मिलेट्स पोटली देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम का संचालन अनुराग शर्मा ने किया समर्थ उत्तर प्रदेश -विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान के अंतर्गत कल दिनांक 10-09-2025 को नामित प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में कृषि विज्ञान केंद्र जलालपुर में कृषकों/एफपीओ के साथ संबंधित अधिकारियों द्वारा संवाद कार्यक्रम संपन्न कराया गया। वहीं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट के सभागार में उद्यमी/ व्यावसायियों के साथ संबंधित अधिकारियों द्वारा संवाद कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

बालश्रम बच्चों के अधिकारों का हनन है: श्रम प्रवर्तन अधिकारी असद खान

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती श्रम प्रवर्तन अधिकारी असद खान श्रावस्ती की अध्यक्षता में मल्हीपुर, कानीबोझी, चिन्ता चौराहा, माल्ही चौराहा आदि स्थानों पर बाल श्रम उन्मूलन होटल ढाबा मोटर वर्कशॉप आदि दुकानों पर जन जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान देहात इंडिया संस्था से मोहम्मद यूसुफ, सारजन वर्मा, राकेश शुक्ला, ग्रामीण बौद्ध कल्याण सेवा संस्थान से संस्था प्रमुख ओंकारनाथ चौधरी, प्रेम बाबू गिरी, नीति आयोग बीबीए से अभिषेक, थाना एएचटीयू से आरक्षी अभिषेक कुमार, आरक्षी आरपी यादव थाना मल्हीपुर, मां सरस्वती बलिका शिक्षा समिति से श्रवण कुमार श्रीवास्तव, सहयोग किया। अभियान में 15 दुकानों से 16 बच्चे बाल श्रम मुक्त कराया गया और 07 बच्चे सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत किए गए इस अभियान का उद्देश्य लोगों को यह बताना था कि बाल श्रम बच्चों के अधिकारों का हनन है और यह कानूनन अपराध है। श्रम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम कराना प्रतिबंधित है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। साथ ही अभिभावकों से अपील की गई कि वे बच्चों को शिक्षा से जोड़ें ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। श्रम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि समाज और सरकार के संयुक्त प्रयास से ही बाल श्रम जैसी समस्या को 2026 तक समाप्त किया जा सकता है।

नेपाल में घटनाक्रम के बीच एसएसबी अलर्ट – सीमा पर जवान चौकन्ने

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती, नेपाल में लगातार बढ़ रहे घटनाक्रम और अस्थिर हालात को देखते हुए 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा ने सीमा सुरक्षा को और अधिक सख्त कर दिया है। कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के नेतृत्व में वाहिनी की सभी सीमा चौकियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सीमा पर एसएसबी के जवान पूरी तरह चौकन्ने हैं और चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं। सभी बॉर्डर मार्गों, चेक पोस्टों और पगडंडियों पर गहन चेकिंग और फ्रिस्किंग अभियान चलाया जा रहा है। हर आने-जाने वाले व्यक्ति और वाहन की सघन तलाशी ली जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। कमान्डेंट वरुण ने कहा कि सीमा क्षेत्र में शांति व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करना एसएसबी की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। जवानों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी परिस्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और हर संदिग्ध हलचल पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। सीमा पर बनी स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित किया गया है।

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर देर रात अवैध मिट्टी खनन माफिया सक्रिय, तेज़ रफ़्तार ट्रैक्टर-ट्रालियों का आतंक

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ कांधला (शामली)। कस्बे से गुजरने वाले दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे पर अवैध मिट्टी खनन का धंधा खुलेआम जारी है देर रात्रि में खनन माफिया मिट्टी से भरें ट्रैक्टर-ट्रालियों को तेज़ रफ़्तार से दौड़ाते हुए फर्राटा भरते नजर आते हैं। इन ट्रालियों से तेज आवाज़ में गाने बजाकर ड्राइवर सड़क पर बेलगाम वाहन दौड़ाते हैं, जिससे आम जनता में दहशत का माहौल है सूत्रों का कहना है कि देर रात के समय ट्रैक्टर-ट्रालियों की संख्या अचानक बढ़ जाती है। हाईवे पर दौड़ती इन ट्रालियों से आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। कई बार वाहन चालकों और राहगीरों को जान बचाकर किनारे हटना पड़ता है गौरतलब है कि अवैध खनन से जहां सरकार को करोड़ों का राजस्व नुकसान हो रहा है, वहीं सड़क पर आम लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ चुकी है। इसके बावजूद संबंधित विभाग व प्रशासन माफियाओं पर अंकुश लगाने में नाकाम दिखाई दे रहे हैं

Fried food is the biggest cause of acid reflux, ignoring it can be costly

Acid reflux is a symptom of half-digested food coming back into the mouth, which causes pain, belching and heartburn. Avoid fried food and eat protein, whole grains, pulses and cooked vegetables. Eat small amounts more often from soda drinks and stay active. These can give you the problem of acid reflux. You digested food and acid coming back into the problems like stomach pain, belching, problem persists, your food pipe can be we will know what is the problem of acid out which food is causing you the problem cause of acid reflux. But the effect of every your eating habits and note them down to - The amount of fat is highest in fried foods, amount of acid starts forming in the sensation in the chest and throat. Eat these eat things that have less fat content like protein and low fat content. Whole grains: eat fiber-rich whole grains like oats, brown digestion and also reduces the risk of acid legumes: Include protein-rich foods like in fat and also provide relief from reflux. full and also reduces reflux. Cooked

and do not sleep immediately after eating. Stay away remedies can provide relief from acid reflux. Fried food can get relief from it by changing your lifestyle. Half-mouth or throat is a symptom of acid reflux. This causes sourness in the mouth, vomiting and chest pain. If this damaged and your life can be affected. In this article, reflux and what are the ways to avoid it. How to find There are many food items that are considered to be the food is different on everyone. Therefore, keep track of identify your triggers. Fried foods cause the most trouble which take more time to digest. Due to fried food, more stomach, which causes acid reflux. This causes a burning things to avoid acid reflux - Protein: Instead of fried food, grilled chicken and baked fish or pulses. They have high Instead of eating refined foods with high sugar content, rice, quinoa, wheat. Eating fiber-rich foods helps reflux. It also absorbs excess stomach acid. Pulses and beans, lentils and chickpeas in your diet. They are low They are rich in iron and protein which makes you feel vegetables: Doing this makes vegetables easier to digest and reduces acidity, especially compared to raw vegetables. Cooking vegetables also softens the fiber present in them. This does not cause stomach pain or bloating. Doing this can also be beneficial Eat small quantities more often - Eating small quantities five to six times a day can provide relief from stomach problems. Eating too much at one time can cause heartburn. Avoid sleeping or lying down immediately after eating- If you have eaten a lot and go to lie down immediately after that, then there will be trouble in digesting the food properly. Soda drinks increase acid- This produces more acid in the stomach. Instead of this, keep drinking water in small quantities. Stay active- Sitting at one place can also cause acid reflux. Therefore, try to do at least 150 minutes of light exercise in a week.

Why is Gen-Z crazy about social media? Expert tells the reason and its frightening side effects

After the ban on social media in Nepal, violent protests by Gen-Z are continuing. Gen-Z's obsession with social media is a topic of discussion. According to psychologists, there are many reasons that attract them towards social media, negative effects, which is important to know about. news. The protest started after the ban on social for the youth. Nepal has been in the news the youth, especially Gen-Z, has been filled with on social media apps. Due to this anger, violent days. However, in view of the deteriorating command of the country in its hands. At present, has been imposed for the next 48 hours. After this This generation often remains the subject of present this generation is in the headlines for its media apps, this generation not only committed toppled the government of Nepal. In such a so obsessed with social media? To know about this, and learned about its reasons. Why is Gen-Z real connection to interact with people. People

which leads to addiction to it. It also has many Nepal's Gen-Z movement is constantly in the media apps. Social media addiction is harmful continuously for the past several days. In fact, anger since the ban imposed by the government protests have been going on here for the last few situation, the Nepal Army has now taken the the situation here is under control and curfew uproar in Nepal, Gen-Z is once again in the news. discussion for some reason or the other and at love for social media. Angry at the ban on social arson and vandalism across the country, but also situation, the question arises that why is Gen-Z we talked to senior psychologist Monica Sharma addicted to social media? Gen-Z lacks a lot of need to be connected to live in society and hence Gen-G feel connected to social media. The likes, shares and comments received on the post increase dopamine, which becomes an addiction for them. Also, Gen-Z remains negative and dissatisfied due to constant pressure from their peers, comparison, FOMO, stress for studies and career. In such a situation, social media helps them to keep away from reality and relax. What are the negative effects of social media on Gen Z? Social media affects Gen Z in many ways. However, most of its effects are negative. Its negative effects include loneliness, depression, anxiety, feeling of dissatisfaction, poor sleep and diet, social isolation, social anxiety, body image problems and cyberbullying. How does social media affect mental health? Constantly comparing your life with so many people on a daily basis leads to low self-esteem, self-hatred, self-doubt and inferiority complex, which leads to anxiety about themselves and their socio-economic status, depression, aggression, self-harming behavior and suicidal thoughts. Parents should keep these things in mind: Parents should regularly talk to children about their lives and online experiences. This will help you know about their social media activities and online friends. Apart from this, set a time for internet use, create screen-free time and activities and make them aware about the dangers of social media, online internet, cyber safety and law. How much time is right to spend on social media? 40-45 minutes is enough for daily use. People who spend hours on social media should try to reduce it gradually.

Are these 6 habits the secret of happiness of Japanese couples? You can follow them for 'Happy Married Live'

Married life can be made more positive and balanced by adopting internal values ??in Japanese lifestyle. In such a situation, some Japanese tips like 'Aichi' means giving unconditional love, while communication and understanding are Keeping married life happy is not limited to understanding and gratitude. The way of simplicity. People there maintain balance and our married life more balanced and pleasant. strong and loving Aichi (giving unconditional When we accept our spouse with all his/her foundation of marriage. Practice Aimai answer or logic. Sometimes, keeping quiet relationship. Practice Gaman (Patience and times. There are many differences in married “Wa” – The spirit of harmony ‘Wa’ is a with your spouse, giving each other space

necessary for better relationships. Let us know about some more such ways. loving each other, but it also includes feelings like patience, respect, maintaining relationships in Japanese culture is full of extreme depth and harmony in every aspect of life. Inspired by their lifestyle, we can also make So let us know about some such Japanese values ??that can make married life love) 'Aichi' in Japanese language is called that love which is completely selfless. strengths and weaknesses, love becomes true and deep. Unrequited love is the ‘Aimai’ means to embrace ambiguity with ease. Not everything needs a clear and giving time to the situation can be the best way to maintain peace in the Tolerance) ‘Gaman’ means to maintain peace and tolerance even in difficult life, so being patient does not let the relationship break, but makes it stronger. symbol of harmony and cordiality in Japanese culture. Working in harmony and making decisions together without dominating is the way to a happy married life. 'Itadakimasu'- The feeling of gratitude 'Itadakimasu' means to thank or express gratitude. Expressing gratitude for every small or big thing like food, cooperation or emotional support brings depth and humility in the relationship. Respect mother- Mother has a special place in Japanese culture. Respecting your mother and mother-in-law is not just a tradition but a beautiful way to maintain harmony in the family. This keeps the sweetness in family relationships.

After two years of marriage, there was a cry in the Konidela family, Varun Tej and Lavanya became parents

Happiness came to the house of Tollywood's power couple Varun Tej and Lavanya Tripathi on 10 September. After two years of marriage, they became parents of a healthy baby. The happiness has doubled with the birth of the first boy of the new generation in the family. Varun shared the news of the child on social media. Varun Tej and Lavanya Tripathi are considered to be the power couple of Tollywood. The couple was planning a baby for a long time. The couple gave the news of the birth of their first child in May 2025. Fans were waiting to know when they would share the good news. The pregnancy was announced on 6 May, happiness knocked at their door on 10 September. Varun and Teja have become parents of a healthy baby. The couple has become parents after two years of marriage. The arrival of the little one is even more special because he is the first boy of the new generation in the family. Varun expressed the joy of the child's arrival on his Insta handle. The actor wrote- "Our little baby." The couple had announced the pregnancy on 6 May by sharing a very cute photo. In this, both were seen holding a small cute white shoe in their hand. Chiranjeevi also welcomed Varun's uncle, Telugu star Chiranjeevi also shared a photo on Instagram holding the newborn baby in his lap. Sharing this news on Instagram, he wrote, "Welcome to the world, little one! A hearty welcome to the newborn baby boy in the Konidela family. Heartfelt congratulations to Varun Tej and Lavanya Tripathi on becoming proud parents." So happy for Nagababu and Padmaja, who are now promoted to proud grandparents. Varun married Lavanya Tripathi in a private ceremony in Italy on November 1, 2023. In an interview to Zoom, Varun talked about his wedding and said that his family is very close to each other, and he wanted everyone to enjoy this special day. Varun told that while his family usually invites 4,000 to 10,000 people, he invited only 100 people to the wedding. This was done so that everyone could dance to their heart's content at their wedding party. Both the actors met for the first time on the sets of their film 'Mr.' and from here both of them fell in love with each other. However, they kept their relationship very private. The news of their relationship came to light only after marriage.

Dhanashree Verma accused of playing victim card in Rise and Fall, Ahana Kumara said - 'Stop it now...'

Choreographer Dhanashree Verma is currently seen in Ashneer Grover's show Rise and Fall. Recently she had an argument with actress Ahana Kumara. Ahana accused her of playing the victim card and raising the issue of seemed to agree with her. Dhanashree Dhanashree had an argument Dhanashree Verma was recently in the Chahal. After this, some time ago she the divorce her side was not heard and decision for her. Dhanashree is playing Ashveer Grover's reality show Rise and arguing with actress Ahana Kumara. against her after the divorce, the time, Ahana accused her of playing the divorce at every opportunity. Everyone show have been divided into two teams. Dhanashree is a part of the Rulers in workers are afraid of Arjun Bijlani. On workers, so he dominates. Seniors are time, Dhanashree strongly opposes this.

divorce at every opportunity. Other contestants also is seen in Rise and Fall Ahana Kumara and Dhanashree is playing the victim card Choreographer news for her divorce with cricketer Yuzvendra was seen giving an interview where she said that after people were judging her while this was a very difficult the victim card Dhanashree is currently seen in Fall. In a recent episode, Dhanashree was seen Dhanashree said that even when the whole world was industry stood by her and gave her work. At the same victim card in this matter and raising the issue of her is afraid of Arjun Bijlani. All the contestants in the The first is Rulers and the second is Workers. this game. Dhanashree says while talking that all the this, Ahana argues that Arjun is senior among the often given preference in the film industry. At the same I am getting offers for many movies - Dhanashree In her defense, Dhanashree says that I am standing here today. The whole world is against me but still I am working. I love the industry because people are giving me work. I am getting offers for movies after movies. Not because it has happened but because I have talent. So if I don't stand up for myself, it has nothing to do with experience, it has to do with intention. Ahana Kumara reprimanded Dhanashree Later Ahana was seen talking to Aditya Narayan and Nayandeep Rakshit about this. She said, "Why does Dhanashree keep talking about her divorce every 2-2 minutes? She needs to stop. We are praising her. But all the time I am divorced and all this is happening to me, let's stop this sad story. You have come here to play a game, don't play the victim card."

Who is Imaad Shah? Hrithik Roshan's ex-girlfriend, has a connection with Naseeruddin Shah

Before coming into Hrithik Roshan's life, Saba Azad dated Imad Shah for almost 8 years. The bonding of both is still very strong. Do you know that Imad Shah, who always keeps himself away from the limelight, is connected Let's know Imad belongs to Roshan's girlfriend Saba Azad The Hrithik Roshan's girlfriend Saba regarding her relationship. A Imad Shah is going viral, in which she the War 2 actor also revealed that her of both is very good even after the belongs to a big Bollywood family. His actor. Let's know some interesting Naseeruddin Shah and Imad? the name of Naseeruddin Shah is to the audience from Dirty Picture to Karma and Tridev. Naseeruddin screen. The success that Naseeruddin children. There is a blood connection Naseeruddin Shah. He is his elder son on 20 September 1986, Imad Shah is his studies from Doon School, Shah could not make a name in the with his father's film 'Yun Hota To movie Dil Dosti etc. in 2007. Imad, film 'Pestonji', also worked in films

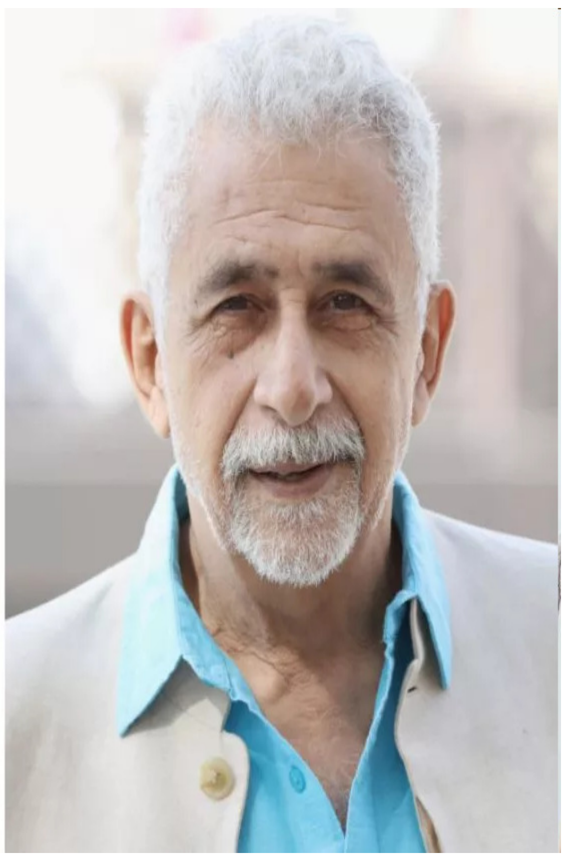

to Naseeruddin Shah. What is their family connection? Naseeruddin Shah's family Imad has dated Hrithik story of the first meeting of Imad Shah and Saba Azad Azad has once again come into the limelight recently statement of the actress and singer about her ex-boyfriend said that love never ends. Not only this, the girlfriend of ex-boyfriend Imad is like family to her and the bonding breakup. Do you know that like Hrithik Roshan, he strings are connected to the family of the 'Dirty Picture' things about him: What is the connection between Whenever there is talk of veteran actors of Hindi cinema, definitely included in it. He gave many memorable films Ishqiya, Aakrosh, Jaane Bhi Do Yaaron, Chamatkar, Shah has played negative roles in most of the films on Shah got in Hindi cinema was not achieved by his three between Saba Azad's ex-boyfriend and Imad Shah and and brother of Happy New Year actor Vivian Shah. Born an actor and music director by profession. He completed Dehradun and college from St. Xavier's, Mumbai. Imad film world. Imad Shah started his career in the year 2006 Kya Hota', after which he appeared in Prakash Jha's who entered the acting world in the year 1988 with the like 'The Perfect Murder'. Apart from Hindi, he is also continuously exploring the world of OTT. Imad has appeared in Bombay Begums, The Married Woman, The Empire, Charlie Chopra and Made in Heaven 2. However, he has not yet got the recognition he is waiting for. Naseeruddin Shah's son Imad Shah first met Saba Azad in the year 2013. They met while working in a play and soon both of them fell in love with each other. After living in a live-in relationship with each other for a long time, they separated from each other in 2020. Both of them still make music together for the Mad Boy Mink band.